आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹118719/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹144995/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹158276/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand® Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, रविवार 25 जनवरी 2026

दुर्ग में शुरू होगी पुलिस कमिश्नरी, रायपुर में बतौर पायलट प्रोजेक्ट किया गया लागू : गजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

हरिभूमि और आईएनएच द्वारा भिलाई में आयोजित जिला संवाद-2026 में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से अहम सवाल किए। उन्होंने पूछा, क्या रायपुर की तरह पुलिस कमिश्नरी दुर्ग में भी लागू कराने का प्रयास करेंगे? इसके जवाब में मंत्री यादव ने कहा कि रायपुर में बतौर पायलट प्रोजेक्ट कमिश्नर प्रणाली के सफल होने के बाद दुर्ग में अवश्य लागू किया जाएगा। श्री यादव ने विष्णु देव सरकार के दो साल के ▶▶ शेष पेज 7 पर

- विपक्ष ने पूछे सवाल, विधायक-मंत्री के जवाब, दुर्ग-भिलाई में विकास की राह होगी आसान

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद कार्यक्रम, जन और प्रतिनिधियों के बीच संवाद

कांग्रेस ने कहा-सब परेशान

मंच में कांग्रेस की तरफ से जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि इन दो सालों में एक बड़ा काम बताया जाए। किसान परेशान हैं, जनता को गड्ढों वाली सड़कें मिली हैं। दुर्ग जिला सहित प्रदेश विकास में पीछे छूट गया है। मंचासीन ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडेय भी मौजूद थे।

रायपुर-भिलाई कैपिटल रिजन से होगा विकास

वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने बेबाकी से जवाब देते हुए कहा कि दो साल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार साएं-साएं काम कर रही हैं। योजनाएं इतनी है कि गिनते-गिनते थक जाएंगे। कांग्रेस के पांच साल बनाम भाजपा के दो साल पर उन्होंने कहा कि दो साल में जनता को राहत मिली है। कई बड़े काम भाजपा सरकार ने किए हैं। उन्होंने कहा, रायपुर-भिलाई कैपिटल रिजन की घोषणा और इस पर हो रहे काम से आने वाले समय में दुर्ग एक विकसित जिले के रूप में पहचान बनाएगा।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज देश को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। यह संबोधन शाम सात बजे से आकाशवाणी के सभी राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होगा और दूरदर्शन के सभी चैनलों पर पहले हिंदी में और फिर अंग्रेजी में प्रसारित किया जाएगा। संबोधन के दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में प्रसारण के बाद, दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनलों पर क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण होगा।

ओडिशा का नवरंगपुर जिला 'नक्सल-मुक्त'

भुवनेश्वर। ओडिशा के नवरंगपुर जिले को 'नक्सल-मुक्त' घोषित कर दिया गया है। यह घोषणा नौ माओवादियों के छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने के बाद की गई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में सात महिला नक्सली भी शामिल हैं और इन पर कुल 47 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली नवरंगपुर और छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सक्रिय थे।

गोलीबारी के आरोप में कमाल गिरफ्तार

मुंबई। 'केआरके' के नाम से मशहूर अभिनेता कमाल राशिद खान को यहां पश्चिमी उपनगर में एक आवासीय इमारत पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। खान को शुक्रवार देर रात पूछताछ के लिए ओशिवारा थाने लाया गया था। अभिनेता ने अपने बयान में अपने लाइसेंसी हथियार से दो गोलियां चलाने की बात स्वीकार की।

जातिगत भेदभाव को लेकर आक्रोश, कानून वापस लेने की मांग

यूजीसी रेगुलेशन का देशभर में जमकर विरोध, सुप्रीम कोर्ट में दी गई चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

यूजीसी ने हाल ही में उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 लागू किया है। इसे लेकर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक संग्राम मचा है। अब इसे लेकर अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है।

अर्जी में यूजीसी नियमावली, 2026 के नियम 3(सी) को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता मृत्युंजय तिवारी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि यह नियम जाति-आधारित भेदभाव को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ हुए भेदभाव तक सीमित करता है। इस बात के तहत सामान्य वर्ग के लोगों को जातिगत भेदभाव शिकायत का अधिकार नहीं है। इस लिहाज से यह नियम संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत नागरिकों को मिले मौलिक अधिकार ▶▶ शेष पेज 7 पर

- याचिकाकर्ता का दावा, यह मौलिक अधिकार का उल्लंघन

राजस्थान में एस-4 कमेटी का गठन

राजस्थान में यूजीसी के इस कदम के खिलाफ एस-4 का गठन हुआ है। जिसमें ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य और कायस्थ संगठन एक साथ आए हैं।काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने बताया कि यूजीसी वाले मुद्दे सहित सवर्ण समाज के मुद्दों पर विचार करने के लिए समन्वय समिति का गठन किया गया है। जयपुर में करणी सेना, कायस्थ महासभा, ब्राह्मण संगठनों और वैश्य संगठनों के साथ मिलकर एक समन्वय समिति का गठन किया गया है।

क्यों हो रहा है विरोध?

- यूजीसी के रेगुलेशन के लागू होने के बाद सामाजिक न्याय की पक्षधर शक्तियों के बीच अगड़ी जातियों में असंतोष को लेकर सवाल उठ रहा है।
- संगठनों का तर्क है कि इस नियम का दुरुपयोग हो सकता है। इसके जरिए अगड़ी जातियों के छात्रों और शिक्षकों को झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है।
- जयपुर में करणी सेना, ब्राह्मण महासभा, कायस्थ महासभा और वैश्य संगठनों ने मिलकर विरोध के लिए 'सवर्ण समाज समन्वय समिति (एस-4)' का गठन किया है।

क्या है नया कानून?

- यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' लागू कर दिए हैं।
- अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल किया गया है।
- उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले ओबीसी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी भी जातिगत भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करा सकेंगे।
- प्रत्येक संस्थान में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित करना अनिवार्य होगा।
- यूनिवर्सिटी स्तर पर एक समानता समिति गठित की जाएगी। इसमें ओबीसी, महिला, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के प्रतिनिधि होंगे।

हरिभूमि- आईएनएच का संवाद 2026 आज, 25 बरस के सफर पर होगी चर्चा

सीएम साय सहित जनप्रतिनिधि व विशिष्ट जन होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हरिभूमि-आईएनएच द्वारा सार्थक संवाद 2026 का आयोजन रविवार,25 जनवरी को शाम चार बजे शास्त्री स्कूल परिसर स्थित देवकीनन्दन दीक्षित सभागार में किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के 25 बरस के सफर पर सार्थक चर्चा होगी। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। हरिभूमि आईएनएच के प्रधान सम्पादक डॉ.हिमांशु द्विवेदी मुख्यमंत्री एवं क्षेत्र के विधायकों एवं विशिष्टजनों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में बिलासपुर के विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तुरी विधायक दिलीप लहरिया मौजूद रहेंगे। क्षेत्र के प्रमुख जनों में उद्योगपति प्रमोद खेड़िया, प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन ▶▶ शेष पेज 7 पर

- हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी करेंगे संवाद

चीन से व्यापार समझौते से खफा

ट्रंप ने दी कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ की धमकी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनका पड़ोसी देश चीन के साथ अपने व्यापार समझौते पर आगे बढ़ेगा, तो ऐसा किया जाएगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सोचते हैं कि वह कनाडा को चीन के अमेरिका में सामान और उत्पाद भेजने का एक माध्यम बनाने जा रहे हैं, तो वह बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं।

समझौते को पहले बताया था सही

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरुआत में कनाडा और चीन के बीच इस समझौते को सही ठहराते हुए कहा था कि कार्नी के लिए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना एक अच्छी बात है।

टी20 विश्व कप से बांग्लादेश 'आउट', स्कॉटलैंड की हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित कर दिया है कि आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह अब स्कॉटलैंड खेलेगा। यह फैसला बांग्लादेश की ओर से सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा से इनकार करने के बाद लिया गया। पता चला है कि चेयरमैन जय शाह सहित आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को दुबई में मौजूद थे। इसी दिन देर शाम बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक ईमेल भेजकर वैश्विक संस्था के फैसले से अवगत कराया गया।

स्कॉटलैंड के ग्रुप चरण में चार मुकाबले

वहीं क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उसे अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। हालांकि ऐसा लगता है कि औपचारिक सूचना मिलना अब केवल समय की बात है। इस तरह स्कॉटलैंड ग्रुप चरण में अपने चार मुकाबले वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में खेलेगा जबकि नेपाल के खिलाफ उसका मैच 17 फरवरी को मुंबई में होगा।

आवारा कुत्ते बने परेशानी की वजह

गांव में 300 आवारा कुत्तों को मार डाला, सरपंच पर केस दर्ज

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना में आवारा कुत्तों को कथित तौर पर जान से मारने की एक और घटना सामने आई है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का दावा है कि जगित्याल जिले में करीब 300 कुत्तों को मार दिया गया। कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि हालिया घटना के बाद राज्य में अब तक इस तरह की घटनाओं में मारे गए कुत्तों की संख्या 900 तक पहुंच गई है।

- तेलंगाना राज्य में अब तक 900 कुत्ते मारे गए

कब्र से निकाले गए कुत्तों के शव

निरीक्षक सी. किरण ने बताया कि जांच के दौरान कब्र से करीब 70 से 80 कुत्तों के शव निकाले गए हैं। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि इन्हें करीब तीन से चार दिन पहले दफनाया गया था। उन्होंने कहा, इस स्तर पर हम घटना में आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि नहीं कर सकते। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

100 कुत्तों को दिया था जहर

पशु अधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से दर्ज कराई गई एक अन्य शिकायत के अनुसार, 19 जनवरी को हैदराबाद के पास याचारम गांव में 100 कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार दिया गया था, हालांकि तत्काल मौके से 50 मरे हुए कुत्ते बरामद हुए थे। इससे पहले इसी महीने हनमकोंडा जिले में श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में करीब 300 आवारा कुत्तों की कथित तौर पर मारे जाने के मामले में पुलिस ने दो महिला सरपंचों और उनके पतियों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एक अन्य घटना में कामारेड्डी जिले में करीब 200 आवारा कुत्तों को कथित तौर पर मारने के मामले में पांच ग्राम सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

नौ साल पुराने मामले की फिर से होगी सुनवाई

भूपेश को झटका, सीडी कांड में फिर होगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य के चर्चित नौ साल पुराने सीडी कांड में रायपुर सेशन कोर्ट ने सीबीआई की लोअर कोर्ट के फैसले को निरस्त कर रिव्यू पिटिशन को मंजूर कर लिया है। रायपुर सेशन कोर्ट ने भूपेश बघेल को नियमित कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अब इस केस की एक बार फिर से दोबारा सुनवाई होगी। सीबीआई की लोअर कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मार्च 2025 में आरोपों से बरी कर दिया था। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने सभी धाराएं हटाते हुए कहा था कि भूपेश बघेल के खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई आधार नहीं है। इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने सेशन कोर्ट में रिव्यू याचिका ▶▶ शेष पेज 7 पर

यह है मामला

सीडी कांड की शुरूआत 27 अक्टूबर 2017 को तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष भूपेश बघेल के बंगले से हुई थी। इस सीडी में आपत्तिजनक वीडियो था जिसे लेकर दावा किया गया था कि महिला के साथ बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखने वाला व्यक्ति मंत्री राजेश मूणत हैं। उक्त अश्लील सीडी का वीडियो क्लिप देखते ही देखते सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

इनका आवेदन खारिज

कोर्ट में कारोबारी कैलाश मुरारका और पूर्व मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा ने भी खुद को आरोपों से मुक्त करने आवेदन लगाया था। सेशन कोर्ट ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है और उन्हें ट्रायल का सामना करना होगा। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा कारोबारी कैलाश मुरारका, पूर्व सीएम के सलाहकार विनोद वर्मा, विजय भाटिया और विजय पांड्या आरोपी बनाए गए हैं। मामले के एक अन्य आरोपी रिंकू खनूजा ने खुदकुशी कर ली थी।

दंतेश्वरी माईं व काली माता के जेवरात ले गया आरोपी सीसीटीवी में कैद

दंतेश्वरी मंदिर से पार हो गए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में बीती रात चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने मंदिर के पीछे के दरवाजे को तोड़कर घटना को अंजाम दिया। सुबह जब मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधन समिति के सदस्य पहुंचे तो पीछे का दरवाजा टूटा हुआ मिला। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। प्रारंभिक जांच में मंदिर से लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात चोरी होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक रात लगभग 12 बजे मंदिर के पुजारी व सेवादार मंदिर बंद कर ▶▶ शेष पेज 7 पर

- देर रात मंदिर बंद होने के बाद पीछे के दरवाजे को तोड़कर वारदात को दिया अंजाम

संदिग्ध की पहचान होने के बाद की जा रही तलाश

सीसीटीवी फूटेज में नजर आ रहे संदिग्ध की पहचार कर उसकी तलाश की जा रही है। फूटेज में दिख रहा आरोपी रेलवे स्टेशन समलेश्वरी एक्सप्रेस से जाता हुआ नजर आ रहा है। उसकी तलाश के लिए अलग अलग टीम को रवाना किया गया है, जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

- माहेश्वर नाग, एएसपी, बस्तर।

चोरी की जानकारी मिलते ही मंदिर के पट हुए बंद

चोरी की खबर लगते ही मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया। सुबह से ही दर्शन करने वालों की भीड़ मंदिर परिसर में बढ़ने लगी थी, लेकिन घटों मंदिर नहीं खुलने से श्रद्धालु बाहर से ही पूजा पाठ कर मंदिर के सीढ़ी में चढ़ावा रखकर जाते रहे। श्रद्धालुओं में स्थानीय के अलावा दूरदराज से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे थे, लेकिन मंदिर के पट बंद होने से उन्हें बिना दर्शन के ही निराश लौटना पड़ा। हालांकि जांच पड़ताल के बाद मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया गया। बावजूद बड़ी संख्या में सुबह से आने वाले श्रद्धालुओं को बिना दर्शन के ही लौटना पड़ा।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026

पुरखौती मुक्तांगन में रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक, सभी मंडपों में उमड़ी श्रोताओं की भीड़

‘नए संचार साधनों ने साहित्य के प्रवाह को तेज कर दिया है। इसने जानकारियों के वेग को डिजिटल प्लेफार्म के माध्यम से तेज किया है। ऐसे में हमारे पास पहुंचने वाली जानकारी, या यूं कहें कि परोसी जा रही सामग्री के रूप में साहित्य और विचार कितने सही और कितने भ्रामक हैं, इसे परखने की चुनौती भी पाठकों के सामने हैं। ऐसे दौर में सनातन, राष्ट्रवाद, एआई और फिल्मों के निर्माण का तौर-तरीका भी बदलने लगा है। इसे देखते हुए किसी चीज को दूसरे से साझा करने से पहले उसकी परख करनी जरूरी है। कुछ ऐसे ही विचारों का आदान-प्रदान पुरखौती मुक्तांगन में जारी रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक के क्रम में सजाए गए अलग-अलग चार मंडपों में अतिथि साहित्यकारों ने किया। इसमें सबसे ज्यादा उत्साह चर्चित धारावाहिक महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज से किए गए संवाद में देखने को मिला।’

नए संचार साधनों से निखर रहा साहित्य, डिजिटल प्लेफार्म पर परोसी जा रहीं भ्रामक चीजों को परखने की बड़ी चुनौती

भगवान राम और श्रीकृष्ण का किरदार निभाया लेकिन ननिहाल में माता कौशल्या के दर्शन अब मिले

संवाद-धार्मिक फिल्में और टेली धारावाहिकों का दौर जैसे विषय पर चर्चा के क्रम में श्रोताओं के बीच विनोद कुमार शुक्ल मंडप में चर्चित धारावाहिक महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नितीश भारद्वाज थे, उनसे संवाद के लिए सूत्रधार के रूप में आदित्य शुक्ला मौजूद थे। इनके बीच जब चर्चा शुरू हुई तो डेढ़ घंटे का वक्त कैसे बीता, किसी को पता भी नहीं चला। श्री भारद्वाज ने कहा कि समाज को साहित्य सबकुछ देता है, बदले में समाज उसे रिस्पांस देते हुए उससे जुड़ता है। जिस विषय पर हम बात करने के लिए यहां आपके सामने हैं, वह रायपुर साहित्य उत्सव 2026 आदि से अनादि तक की तरह ही वृहद है। धर्म और उसका प्रवाह पहले जैसा ही है, इसको लोगों तक पहुंचाने का तरीका बदला है, उन्हीं बदले हुए माध्यमों पर बात होगी। मेरा मानना है, जिस तरीके से जातियों के आधार पर आए दिन बहस होती है। वह आर्यव्रत में कभी रहा ही नहीं है। श्रीमद भगवत गीता में भगवान कृष्ण ने भी कर्म को केंद्र में रखकर चार वर्णों का विभाजन किया। उन्होंने चर्चा में कहा कि मैंने भगवान राम और श्रीकृष्ण का किरदार निभाया, लेकिन श्रीराम के ननिहाल में माता कौशल्या के दर्शन का अवसर अब मिला है। उन्होंने तय समय में धर्म, शास्त्र और संचार साधनों की विधा पर चर्चा की। आगे कहा कि समाज ने मुझे जो मान-सम्मान दिया है, उसके चलते दायित्व भी बढ़ा है। यही कारण है कि आप लोगों के बीच हूं।

सिनेमा और समाज दोनों में उनका योगदान बढ़ रहा

‘नई पीढ़ी की फिल्मी दुनिया’ पर परिचर्चा के क्रम में सिनेमा और साहित्य के संबंधों पर दूसरा सत्र केंद्रित रहा। श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप में आज “नई पीढ़ी की फिल्मी दुनिया” विषय पर अभिनेता सत्यजीत दुबे, अभिनेत्री टीजे भानु, विधायक एवं अभिनेता अनुज शर्मा तथा सुश्री सुविज्ञा दुबे बतौर विशेष अतिथि मंचस्थ रहीं। इसमें अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा सरल और सहज है, इसे संवाद से और सुलभ बनाया जा सकता है। वर्तमान दौर महिलाओं की सशक्त भूमिका का है, जहां सिनेमा और समाज दोनों में उनका योगदान बढ़ रहा है। फिल्म निर्माण प्रक्रिया पर कहा कि सिनेमा में निर्देशक की भूमिका प्रमुख होती है, रंगमंच में अभिनेता की प्रधानता होती है, जबकि धारावाहिकों में लेखक की भूमिका निर्णायक होती है। उन्होंने साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का जिक्र करते हुए कहा कि किसी रचनाकार की पहचान उनके पहनावे से नहीं, बल्कि उनकी रचनाओं से होती है।

डिजिटल प्लेटफार्म ने युवाओं के लिए नए द्वार खोले

अभिनेता सत्यजीत ने कहा कि किसी भी फिल्म में भावनात्मक तत्व होना जरूरी है, तभी दशकों तक दर्शकों के मन में वह जीवित रहेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का साहित्य बहुत समृद्ध है। यहां अच्छी कहानियों की कोई कमी नहीं है, जरूरत पाठक वर्ग को प्रोत्साहित करने की है। अभिनेत्री भानु ने कहा, डिजिटल माध्यमों ने नए कलाकारों के लिए अवसर के द्वार खोले हैं। छोटी कहानियां मंचों के माध्यम से दर्शक वर्ग तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा का सुख केवल गंतव्य तक पहुंचने में नहीं, बल्कि पूरी यात्रा प्रक्रिया में निहित होता है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं निर्माता की भूमिका निभाती हैं तो वे सेट पर काम करने वाले हर व्यक्ति की भावनाओं का ध्यान रखती हैं।

30-40 वर्षों की मेहनत से अब एआई निखर रहा

कवि-कथाकार अनिरुद्ध नीरव मंडप में साहित्य : उपनिषद से एआई तक विषय पर केंद्रित परिचर्चा में वक्ता के रूप में ट्रिपलआईटी के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल केतकर, वरिष्ठ लेखक डॉ. गोपाल कमल शामिल हुए। परिचर्चा में सूत्रधार की भूमिका साहित्यकार संजीव तिवारी निभा रहे थे। सत्र कवि जगन्नाथ प्रसाद भानु को समर्पित था। वहीं डॉ. गोपाल कमल द्वारा लिखित पुस्तक, गुणाढ्य की गुणसूत्र कथा का विमोचन किया गया। वहीं डॉ. व्यास ने कहा कि एआई का जो रूप हम देख रहे हैं, उसके पीछे 30-40 वर्षों की मेहनत है, अब एआई निखर रहा है। तकनीक खुद को परिमार्जित करती है, यह प्रक्रिया है। एआई नेट पर मौजूद जानकारी, आंकड़ों और सूचनाओं का सारांश हमें डिस्क्रिप्टिव टेक्नोलॉजी से समझाता है। वहीं श्री केतकर ने कहा कि गीता के 18 अध्यायों में सभी तरह के ज्ञान का समावेश है। एआई को लेकर लोग चिंतित हैं कि एआई का फ्यूचर क्या होगा।

जेनेटिक कोड के जरिए हम सीख पाते हैं नई चीजें

डॉ. गोपाल कमल ने कहा कि हमारे साथ सोचने की परंपरा ऋग्वेद से आती है। हम सभी एआई में डीप लर्निंग की बात करते हैं। भाषा कहां से आती है, वह आकार कैसे लेती है, मनुष्य भाषा तक कैसे पहुंचा, इस पर होने वाले काम और अध्ययन को साइकोलिंग्विस्टिक के नाम से जाना जाता है। जेनेटिक कोड के जरिए ही हम नई चीजों को सीख पाते हैं। सोमदेव ने कथा सरितसागर के नाम से संस्कृत में पुस्तक लिखी, इसे हम गुणाढ्य के रूप में देख सकते हैं। संस्कृत के लगभग 3900 सूत्र हैं। महेश्वर सूत्रों से हम शब्दरूप और धातुरूप बना सकते हैं। एआई में हम जीरो से एक का सहारा लेते हैं। गुणसूत्र की भाषा से एआई के संचार नेटवर्क को गढ़ा गया। श्री तिवारी ने कहा कि मेरी समझ में उपनिषद और एआई एक जैसे हैं। वेद ज्ञान का खजाना है, जिसका भाष्य उपनिषद है।

अब लेखक की सफलता का पैमाना इनाम नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या

लाला जगदलपुरी मंडप मे परिचर्चा ‘डिजिटल युग के लेखक और पाठक’ विषय पर सार्थक संवाद का सिलसिला चला। इसमें बदलते समय के साथ साहित्य, लेखन और पाठकीय संस्कृति में आ रहे बदलावों पर गंभीर और सकारात्मक विमर्श के सूत्रधार पत्रकार अनिल द्विवेदी थे। उन्होंने कहा कि इस परिचर्चा ने यह साफ कर दिया कि डिजिटल माध्यम ने साहित्य के स्वरूप को बदला जरूर है, लेकिन उसकी आत्मा और रचनात्मकता आज भी प्रासंगिक है। लेखक, कवि और शिक्षक सर्वेश तिवारी ने कहा कि किताबों का छपना आज भी जरूरी है, क्योंकि पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम वह अनुभव नहीं देता, जो मुद्रित किताबें देती हैं। मान लेते हैं, युवा और बच्चे ऑनलाइन काफी पढ़ रहे हैं।

जितने अधिक पाठक, उतनी ही रचना की सार्थकता

लेखक की सफलता का पैमाना पुरस्कार नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जितने अधिक पाठक, उतनी ही रचना की सार्थकता होनी चाहिए। लेखक नवीन चौधरी ने डिजिटल मीडिया की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा, इंटरनेट ने साहित्य के लिए नए रास्ते खोले हैं। युवा पीढ़ी ने डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए विनोद कुमार शुक्ल जैसे वरिष्ठ रचनाकारों को पढ़ा, जिससे उनकी पुस्तकों की रॉयल्टी लाखों तक पहुंची। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण लेखक फिर से सर्कुलेशन में आए हैं।

अच्छाई के लिए काम करती हूं, भारत के प्रति मेरी निष्ठा

साहित्य उत्सव की श्रृंखला में अनिरूद्ध नीरव मंडल के प्रथम सत्र में विचारोत्तेजक संवाद और विमर्श का दौर चला। मुख्य अतिथि वरिष्ठ टीवी एंकर-पत्रकार रुबिका लियाकत एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा के बीच रोचक परिचर्चा का क्रम चला। इसमें रुबिका लियाकत ने राष्ट्रवाद पर संवाद शुरू करने से पहले पत्रकारिता के 18 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए युवाओं से आगाह किया कि सोशल मीडिया पर आए 30 सेकंड के वीडियो पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, तथ्यों की स्वयं पड़ताल करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं किसी व्यक्ति या विचारधारा के लिए नहीं, बल्कि सत्य, अच्छाई के लिए काम करती हूं और मेरी निष्ठा भारत के प्रति है। इतिहास और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा दंगों के समय किए गए काम का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा स्वभावतः सेक्युलर है और भारतीयता उसी समझ से विकसित होती है।

हमेशा भारत और राष्ट्रवाद को सर्वोच्च स्थान देती हूं

उन्होंने बताया कि उनकी दादी सनातन परंपराओं का पालन करती थीं। पांच वक्त नमाज पढ़तीं और सबका आदर करती थीं, यह भारत की साझा संस्कृति का उदाहरण है। एक विराट हिंदू सम्मेलन से जुड़े तथ्यों का जिक्र करते हुए बताया कि उन्हें धर्म पर मन से विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया था, उससे जुड़े हर पहलू को बेबाकी से श्रोताओं के बीच पेश किया। राष्ट्रवाद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारत और राष्ट्रवाद को सर्वोच्च स्थान देती हूं। अंत में उन्होंने दो पुस्तकों का विमोचन किया, इसमें जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ के साहित्य पुरोधा एवं पूजा अग्रवाल के काव्य संग्रह ‘अम्मा की चाय’ शामिल थी। सत्र में युवा, साहित्य प्रेमी और पत्रकारिता से जुड़े लोग शामिल हुए।

रायपुर
रविवार 25 जनवरी 2026
माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्षः 24, अंकः 186
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य: 5.00**

मौसम
अधि. 30.3
न्यून. 15.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

इंडिगो की 700 से ज्यादा उड़ानों पर चली कैंची!

मुंबई। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन 'इंडिगो' ने विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक 'स्लॉट' खाली कर दिए हैं। यह कदम डीजीसीए की उस सख्त कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसमें एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में कटौती का आदेश दिया गया था। दिसंबर की शुरुआत में परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी। हवाई अड्डे पर किसी विमान के उड़ान भरने और उतरने के लिए दिए गए निश्चित समय को 'स्लॉट' कहा जाता है। सूत्रों ने बताया कि खाली किए गए कुल 717 'स्लॉट' में से 364 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के हैं। इनमें सबसे अधिक 'स्लॉट' हैदराबाद और बेंगलुरु के हैं।

■ सरकार का बड़ा एक्शन

पांच फ्लाइट के सहारे दिल्ली से आवाजाही, आज और कल का किराया 15 हजार पार

एयर इंडिया की दो और इंडिगो की एक उड़ान संचालित नहीं होगी, रायपुर एयरपोर्ट पर भी अलर्ट, विजिटर एंट्री पर लगाई गई रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

गणतंत्र पर ध्वजारोहण सहित दिल्ली में होने वाले अन्य कार्यक्रम के दौरान कड़ी सुरक्षा बरती जा रही है। इस दिन दिल्ली-रायपुर के बीच का हवाई सफर पांच फ्लाइट के सहारे होगा। इस दिन एयर इंडिया की दो और इंडिगो की एक फ्लाइट संचालित नहीं होगी। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर रायपुर विमानतल पर भी अलर्ट है और यहां सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ विजिटर एंट्री पर रोक लगाई गई है। फ्लाइटें कम होने की वजह से 25 और 26 जनवरी को दिल्ली जाना महंगा हो गया है। अब यात्रियों को 15 हजार रुपए तक किराया देना पड़ रहा है।

15 हजार तक टिकट

तीन उड़ानों की कमी होने के बाद रायपुर-दिल्ली के बीच हवाई सफर थोड़ा महंगा हुआ है। 25 जनवरी को इंडिगो की फ्लाइट के सभी टिकट बुक हो चुके हैं, वहीं एयर इंडिया की एक फ्लाइट का फेयर 14 हजार के करीब है। सोमवार यानी 26 जनवरी के दिन रायपुर से दिल्ली जाने के लिए 11 से 15 हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। वहीं वापसी का किराया अभी 10 से 11 हजार के बीच है।

प्रतिदिन 54 उड़ान

रायपुर एयरपोर्ट से अभी प्रतिदिन 27 से 28 बार विमान टेकऑफ हो रहा है और उतनी बार ही उनकी लैंडिंग यानी कुल 54 बार आवाजाही हो रही है। यहां से जाने वालों की संख्या 4 हजार से ऊपर है और उतने ही यात्रियों की वापसी भी हो रही है। विमानतल सूत्रों के मुताबिक विमान में सफर करने वालों की संख्या पिछले दो-तीन सालों में काफी बढ़ी है।

सोमवार 26 जनवरी को दिल्ली में ध्वजारोहण के साथ आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके मद्देनजर वहां कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर वहां विमानतल पर भी विमानों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया है। रायपुर से संचालित होने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट को 23 से 26 जनवरी के बीच रद्द किया जा चुका है। गणतंत्र दिवस यानी सोमवार को होने वाले कार्यक्रम की वजह से कुछ और फ्लाइट के संचालन में कटौती होगी। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस दिन दिल्ली-रायपुर-दिल्ली के बीच का हवाई सफर पांच विमानों के भरोसे पूरा होगा। यानी इस दिन एयर इंडिया की सुबह 9.00 और दोपहर 2.35 बजे की फ्लाइट का संचालन नहीं किया जाएगा। इसके अलावा इंडिगो ▶▶ शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी में स्थित दो स्कूलों को बम से उड़ाए जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या अन्य स्कूलों को भी इसी तरह ईमेल के जरिये धमकी मिली थी। शुक्रवार को मिलीं दो धमकियां झूठी साबित हुईं। अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगा रहे हैं कि ईमेल कहां से भेजे गए थे। अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

'साइन बोर्ड' से टकराने से तीन की मौत

उन्नाव। उन्नाव जिले के पुरवा कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लोहे के 'साइन बोर्ड' से टकरा गई, जिससे उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बीघापुर थाना क्षेत्र के अढ़ोली गांव निवासी अनुराग (31), बेसनखेड़ा निवासी राहुल पाल (26) और तौरा निवासी सौरभ (25) के रूप में हुई है।

ट्रक और ऑटोरिक्शा में टक्कर, तीन की मौत

झांसी। यूपी के झांसी में ट्रक और ऑटोरिक्शा रिक्शा के बीच टक्कर के कारण तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान करैरोखर की निवासी जानकी (18), पंडित सीता रमैया (55) और नारायण दास (50) के रूप में हुई है। सभी लोग एक मांगलिक कार्यक्रम से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी गुरसराय के निकट यह दुर्घटना हुई। ऑटोरिक्शारिक्शा में बच्चों समेत कुल 16 लोग सवार थे।

भारतीय सामानों पर छूट वापस, 20 फीसदी तक लग सकता है एक्सपोर्ट टैरिफ

ईयू के साथ 'मदर ऑफ ऑल डील्स' 27 को इससे पहले झटका, इधर, अमेरिका पड़ा नरम

भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड डील का ऐलान होने जा रहा है। 27 जनवरी को इसपर फाइनल मुहर लग जाएगी। इस डील को 'मदर ऑफ ऑल डील' कहा जा रहा है। इस बीच, ईयू 1 जनवरी से लागू होने वाली जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज के तहत दी गई छूट वापस ले रहा है। इससे ज्यादातर भारतीय एक्सपोर्ट पर टैरिफ 20 परसेंट बढ़ जाएगा। इधर, अमेरिका ने नरमी दिखाते हुए एक्स्ट्रा टैरिफ में 25 फीसदी कम करने की बात कही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली ▶▶ शेष पेज 7 पर

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन दिल्ली पहुंचीं

हुआ ग्रैंड वेलकम

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी है कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंच गई हैं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद उन्हें रिसीव करने पहुंचे। उर्सुला से पहले ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास भी अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंच गई हैं।

अमेरिकी मंत्री ने दिए ऐसे संकेत

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है।

इधर, पीएम मोदी बोले

युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे व्यापार समझौते

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे।

दो बच्चे समेत चार लोगों की नाव पलटने से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

■ इंद्रावती नदी के झिल्ली घाट में डूबे सभी शव बरामद

बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक स्थित उसपरी साप्ताहिक बाजार से लौटने के दौरान इन्द्रावती नदी में नाव पलटने से बहे माड़ क्षेत्र के बोड़गा गांव के एक ही परिवार के सभी चार सदस्यों के शव बरामद कर लिए गए। शनिवार सुबह लापता चौथे ग्रामीण का शव भी बरामद कर लिया गया। शव को पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। गौरतलब है कि बीजापुर जिले में बुधवार शाम ▶▶ शेष पेज 7 पर

वैध वारिसों को जल्द सहायता राशि दी जाएगी

सभी शव बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। शासन के प्रावधान के अनुसार मृतकों के वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपए सहायता राशि जल्द से जल्द देने प्रयास किया जा रहा है। **-विकास सर्वे,** एसडीएम भैरमगढ़

साइबर गिरोह का भंडाफोड़

केवाईसी अपडेट के बहाने ठगी, धरे गए चार आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बैंक ग्राहकों से उनके केवाईसी विवरण अपडेट करने के बहाने कथित तौर पर ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का दिल्ली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में झारखंड और पश्चिम बंगाल से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिव कुमार रविदास (22), संजय रविदास (33), दिनेश रविदास (29) और शुभम कुमार बरनवाल (25) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा, गिरोह के सदस्य बैंक अधिकारी बनकर पीड़ितों को तुरंत क्रेवाईसी अपडेट करने के लिए दबाव बनाते थे।

धोखाधड़ी से लिया ऋण

पुलिस ने बताया किआरोपियों ने पीड़ितों के बैंक संबंधित जानकारियों का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से ऋण लिया। उन पैसे को 'म्यूल खातों' की मदद से हस्तांतरित किया तथा बाद में वे इन पैसों को विभिन्न बैंक माध्यमों से निकालते थे। धोखाधड़ी का यह मामला दिल्ली के सागरपुर निवासी एक महिला की शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया। पीड़िता को भी एक संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के लिए बहकाया गया।

आधा दर्जन गिरफ्तार

एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को मारा डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सारागांव के पास रोड एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को आधा दर्जन युवकों ने पहले मार डाला और उसके बाद वे अपने साथ ले गए। घायल सूअर के सिर को पत्थर से कुचलते रहे और राहगीर उन्हें रोकने का प्रयास करते रहे। लेकिन बदमाशों ने बचाने वालों से भी गालीगलौच की। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने आधा दर्जन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

वायरल वीडियो में आधा दर्जन युवकों का समूह घायल जंगली सूअर को खींचकर खेत की तरफ ले जाते हुए दिख रहे हैं। उसके बाद पत्थर उसके मुंह पर पटकने और लाठी से मारते हुए दिख रहे हैं। वन परिक्षेत्र प्रभारी दीपक ▶▶ शेष पेज 7 पर

लोग बचाने के लिए चीखते रहे

एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को बदमाश मारने के लिए घसीटकर ले जा रहे थे, इस दौरान मौके पर उपस्थित ट्रक ड्राइवर सहित गांव के अन्य लोगों ने वन विभाग की टीम को घटना की सूचना देने की बात कही। इस पर मौके पर उपस्थित नशे में धुत्त बदमाश गांव के लोगों के साथ गाली-गलौज कर सूअर को जबरन घसीटकर अपने साथ खेत में ले गए और मारकर उसे बाइक से अपने साथ ले गए। मौके पर उपस्थित कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

केंद्रीय बजट के लिए प्रदेश के व्यापारिक संगठनों ने भेजे केंद्र सरकार को सुझाव और मांगें

न इनकम टैक्स, न सस्ता-महंगा, आम के लिए कुछ खास नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

व्यापारियों ने दिए सुझाव

केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश होगा। आम आदमी के लिए केंद्रीय बजट इस बार बड़ी जिज्ञासा नहीं जगा रहा। 12 लाख रुपए तक की आय करमुक्त किए जाने के बाद क्रेज कम हुआ है। वहीं हर तरह के लेनदेन पर जीएसटी लागू होने के बाद सस्ता और महंगे होने की संभावना और आशंका भी खत्म हो गई है। अब रेल बजट भी अलग से पेश नहीं किया जाता। उस वजह से ट्रेन मिली या नहीं, यह भी आमतौर पर बजट में नहीं होता। यही वजह है कि अब आम आदमी बजट की तरफ उम्मीदों से नहीं देखता। लेकिन व्यापारियों को बजट से बहुत उम्मीदें हैं। कैट, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ ▶▶ शेष पेज 7 पर

शार्टटर्म की कमाई भी हो आय में शामिलः पारवानी

इसको समझते हुए कैट के उपाध्यक्ष अमर पारवानी बताते हैं कि अगर शार्टटर्म से एक लाख की आय होती है तो इसको 12 लाख की आय में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसे में इस एक लाख पर 12.5 फीसदी का टैक्स लग जाता है, जबकि 12 लाख की आय वाले को कोई ▶▶ शेष पेज 7 पर

सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी हो समाप्तः मालू

सराफा कारोबार को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को प्रेषित सुझाव में रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने कहा, सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी जो वर्तमान में 6% है, उसे समाप्त किया जाए, इसमें आम उपभोक्ता को ▶▶ शेष पेज 7 पर

पार्टनरशिप फर्मों पर टैक्स हो कमः थौरानी

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने केंद्रीय बजट के लिए जो सुझाव भेजे हैं, उसमें अपने पत्र में लिखा है, देश भर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई तथा व्यापार संगठन, आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संदर्भ में लाखों छोटे व्यापारियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर नीतिगत ▶▶ शेष पेज 7 पर

सर्वदलीय बैठक 27 को, बजट सत्र 28 से

नई दिल्ली। बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है।

सैलानियों की बल्ले बल्ले

पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी

शिमला में बड़ी संख्या में उमड़े सैलानी

नई दिल्ली। देशभर में नए सिस्टम के चलते मौसम बदला हुआ है। जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में जमकर बर्फबारी हो रही है। सैलानियों के लुत्फ में जहां इजाफा हो गया है वहीं जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। शिमला में शनिवार को बड़ी संख्या में पर्यटक ताजा बर्फबारी का आनंद लेते दिखे, वहीं कश्मीर के मागम, बडगाम, रामबन और कुल्लू के मनाली में सड़कें भी जाम हो गईं।

बर्फीले तूफान से कांपा अमेरिका, इमरजेंसी घोषित

वॉशिंगटन। अमेरिका इस समय सर्दियों के एक बड़े तूफान का सामना कर रहा है। इससे देश के ज्यादा हिस्सों (15 राज्यों) में तबाही मचने की आशंका से इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। तूफान को देखते हुए पूरे अमेरिका में वीकेंड पर उड़ान भरने वाली 8000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसल कर दी गई हैं। इधर भारतीय विमानन कंपनी एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाले वाली अपनी सभी फ्लाइट्स 25 और 26 जनवरी के लिए कैंसल कर दी है। अनुमान है आने वाले दिनों में 14 करोड़ से ज्यादा अमेरिकियों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ सकता है।

योगी जिंदाबाद के लगा रहे थे नारे, जमकर मचा बवाल

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में पहुंचे उपद्रवी, सेवकों संग की हाथापाई

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर-4, त्रिवेणी मार्ग स्थित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में शनिवार शाम असामाजिक तत्वों ने हंगामा किया। आरोप है कि कुछ लोग लाठी-डंडे और झंडे लेकर शिविर में जबरन घुस आए और आक्रामक नारेबाजी करने लगे। वे योगी जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। इस दौरान अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों से युवकों की धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 24 जनवरी 2026 को शाम करीब 6:30 से 7:30 बजे के बीच हुई। शिविर में मौजूद सेवकों और कार्यकर्ताओं ने सूझबूझ दिखाते हुए उपद्रव कर रहे लोगों को शांतिपूर्वक बाहर निकाल दिया, जिससे कोई बड़ी घटना होने से टल गई। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हालात इतने गंभीर थे कि किसी भी वक्त मारपीट हो सकती थी। बताया जा रहा है कि शिविर के बाहर ही शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती श्रद्धालुओं के बीच शांतिपूर्वक विराजमान रहते हैं और बड़ी संख्या में भक्त वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में इस तरह की घटना से संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शिष्यों का दावा, हो रही रेकी, शंकराचार्य की जान को खतरा

प्रशासन और उसके गुंडे

शंकराचार्य के विशेष प्रतिनिधि देवेंद्र पांडे ने बताया- यह हमारी मजबूरी है, क्योंकि शंकराचार्य सड़क पर बैठे हैं। यहां प्रशासन और उसके गुंडे हैं। संत के वेश में यहां शैतान घूम रहे। उनसे शंकराचार्य की जान को खतरा है। रात में आकर वीडियो बनाते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं कि नोटिस देने आए हैं।

संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर खड़े हुए गंभीर सवाल

प्रशासन को लिखित शिकायत

घटना के बाद शिविर प्रबंधन की ओर से प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई है। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने बताया कि शिकायत में मांग की गई है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और उनकी पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही शिविर और उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल की स्थायी तैनाती की मांग भी की गई है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि अगर भविष्य में किसी भी तरह की अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी मेला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की होगी. घटना के बाद से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

यह है विवाद

18 जनवरी को माघ मेले में मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और विरोध करने पर शिष्यों से मारपीट की। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। अब तक उनका प्रदर्शन जारी है। प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को 48 घंटे में दो नोटिस जारी किए। पहले में उनके शंकराचार्य की पदवी लिखने और दूसरे में मौनी अमावस्या को लेकर हुए बवाल पर सवाल पूछे गए।

शिविर में लगे सीसीटीवी कैमरे

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों ने उनकी जान को खतरा भी बताया है। शिविर प्रबंधन का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से रात के अंधेरे में कुछ संदिग्ध और अपरिचित लोग शिविर के आसपास रेकी करते हुए देखे गए हैं। मीडिया प्रभारी योगिराज सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि शंकराचार्य जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए शिविर के चारों ओर 10 हाई-डेफिनेशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने भाजपा पर लगाया जुर्माना

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात भाजपा जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में भाजपा ने 50 सीटें जीती थीं। इसके बाद 26 दिसंबर को भाजपा के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था।

भाजपा का ही है यहां मेयर

केरल हाइकोर्ट के आदेशों के उल्लंघन का आरोप

एफआईआर में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि भाजपा जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेशों की अवज्ञा) और 285 (सार्वजनिक रास्तों में खतरा, बाधा और जोखिम पैदा करना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(बी) (जनता को बाधा, असुविधा और खतरा पैदा करना) के तहत दर्ज किया गया है।

'कभी पार्टी के खिलाफ नहीं गया 'सिंदूर' के लिए नहीं मांगूंगा माफी'

एजेंसी ⏭ कोझिकोड (केरल)

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

केरल लिटरेचर फेस्टिवल में बोले शशि थरूर

पार्टी नेतृत्व के साथ चल रहे हैं मतभेद

मेरे सुझाव ही सरकार ने अपनाए

सम्मेलन में थरूर ने विस्तार से अपना पक्ष रहा। उन्होंने बताया, पहलगाम की दुखद घटना के बाद, मैंने एक पर्यवेक्षक और टिप्पणीकार के रूप में अपनी बात रखी। अपने उस हैसियत से मैंने एक अखबार में 'हिट हार्ड, हिट स्मार्ट' शीर्षक से एक कॉलम लिखा था। उस लेख में मैंने साफ़ तौर से कहा था कि इस हमले को सजा से मुक्त नहीं छोड़ा जा सकता। इसका जवाब जरूरी और निर्णायक होना चाहिए, यानी प्रत्यक्ष कार्रवाई। हमें स्पष्ट रूप से आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई करनी होगी। हालांकि, मैंने यह भी कहा कि भारत विकास की राह पर अग्रसर है और हम पाकिस्तान के साथ किसी लंबी लड़ाई में उलझना नहीं चाहते।

आलोचना की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

थरूर ने कहा, सिंदूर पर सबकुछ मैंने साफ तौर पर लिखा था और आज भी यह सार्वजनिक रिकॉर्ड में मौजूद है। लगभग दस दिन बाद भारत सरकार ने ठीक वही कदम उठाए, जिनकी मैंने सिफारिश की थी। ऐसे में आप मुझसे इस कार्रवाई की आलोचना की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

रॉबर्ट वाड्रा के केस में ईडी को फटकार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ब्रिटेन के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट के मामले में राउज ऐवेन्यू कोर्ट ने ईडी को ही झटका दे दिया है। कोर्ट ने मामले से संबंधित दस्तावेजों की सूची दाखिल न करने पर ईडी को फटकार लगाई है। दरअसल, अब रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर पूरक आरोपपत्र पर बहस करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को समय दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े एक मामले में वाड्रा के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था।

दस्तावेज दाखिल न करने पर कोर्ट भड़की

यह है मामला : संजय भंडारी से जुड़े मामले में ईडी ने पहले भी रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की है। भंडारी की प्रत्यर्पण याचिका ब्रिटेन की अदालत ने खारिज कर दी थी। जुलाई 2025 में दिल्ली की एक अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। ईडी ने आयकर विभाग की आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए फरवरी 2017 में भंडारी और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया था।

27 जनवरी को बैंकों की देशव्यापी हड़ताल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे, क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

चार दिनों तक सेवाएं रहेंगी बाधित

ये है मांग : अधिकारियों और कर्मचारियों के नौ संगठनों के शीर्ष निकाय- यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने एक बयान में कहा, इस समय बैंक कर्मचारियों को रविवार के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी मिलती है। सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने पर मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान भारतीय बैंक संघ (आइबीए) और यूएफबीयू के बीच सहमति बनी थी। यूएफबीयू ने कहा कि आरबीआइ, एलआइसी, जीआइसी, शेयर बाजार और सरकारी कार्यालय पहले ही पांच दिवसीय कार्य सप्ताह का पालन करते हैं, ऐसे में बैंकों में ऐसा न होने का कोई औचित्य नहीं है।

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और करियर मार्गदर्शन पर फोकस

सीबीएसई के सभी स्कूलों में काउंसलर अनिवार्य

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बढ़ते पढ़ाई के दबाव और करियर को लेकर कन्फ्यूजन के बीच केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों के हित में अहम फैसला सुनाया है।

बोर्ड ने सभी संबंधित स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलर की नियुक्ति जरूरी कर दी है। राजस्थान हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका के बाद सीबीएसई ने अपने नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत अब हर सीबीएसई स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। यह याचिका, कोटा के वकील सुजीत स्वामी और कुछ मनोविज्ञान विशेषज्ञों की ओर से जुलाई 2025 में दाखिल की थी। इसमें बताया गया था कि पढ़ाई के दबाव की वजह से छात्रों में तनाव बढ़ रहा है और उन्हें सही करियर मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा।

कोर्ट ने मांगा था जवाब

बता दें कि सितंबर 2025 में हाईकोर्ट ने इस मामले पर सीबीएसई, राजस्थान बोर्ड, यूजीसी और राज्य सरकार से जवाब मांगा था। सभी की राय लेने के बाद सीबीएसई ने 19 जनवरी, 2026 को नया सर्कुलर जारी किया था।

काउंसलरों की तय की योग्यता : बता दें कि सीबीएसई ने काउंसलरों की योग्यता भी तय कर दी है। मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर के पास मनोविज्ञान या समाज कार्य में डिग्री होनी चाहिए और उन्हें सीबीएसई से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण लेना होगा। काउंसलर छात्रों और उनके अभिभावकों को सलाह देंगे और मानसिक परेशानी से जूझ रहे छात्रों की मदद करेंगे।

इन छात्रों के लिए शुरू होगा काउंसलिंग

करियर काउंसलर कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सब्जेक्ट चुनने और आगे की पढ़ाई या करियर की योजना बनाने में मार्गदर्शन देंगे। सीबीएसई का यह फैसला छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है।

यह है सीबीएसई के नए नियम

नए नियमों के मुताबिक, अब हर सीबीएसई स्कूल में 500 छात्रों पर कम से कम एक काउंसलर नियुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही करियर काउंसलर की नियुक्ति भी जरूरी कर दी गई है। यह नियम पहले केवल बड़े स्कूलों के लिए था, लेकिन अब छोटे-बड़े सभी स्कूलों पर ये नियम लागू होगा। छोटे स्कूलों की मदद के लिए सीबीएसई ने "हब और स्पोक मॉडल' शुरू किया है, जिसमें बड़े स्कूल आसपास के छोटे स्कूलों को काउंसलिंग की सुविधा देंगे।

ITSA HOSPITALS
HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.
जितना जल्दी | उतना बेहतर
मिनटों में इमरजेंसी केयर
आघात, दुर्घटना एवं आपदा
सभी सर्जिकल आपात स्थिति
क्रिटिकल केयर / इमरजेंसी
24×7 आपातकाल सेवा

एम्बुलेंस सेवा 24×7 उपलब्ध 7880 150000
कार्डियोलॉजी। न्यूरोलॉजी। क्रिटिकल और ट्रॉमा केयर। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी। नेफ्रोलॉजी। यूरोलॉजी। आर्थ्रोस्कोपिक और जॉइंट रिप्लेसमेंट कान, नाक और गला (ENT)। नियोनेटोलॉजी । ऑन्कोलॉजी
इट्सा हॉस्पिटल्स, अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़

तरकश

संजय के. दीक्षित

पुलिस कमिश्नरः जो जीता वो सिकंदर

रायपुर पुलिस कमिश्नर सिस्टम सिर्फ सिटी में लागू किया जाए या फिर पूरे जिले में, इसको लेकर सत्ता के गलियारों में शह-मात का खूब खेल चला। 31 दिसंबर के कैबिनेट की बैठक में रायपुर सिटी में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने का फैसला लिया गया, उसमें किसी ने मुंह खोलना मुनासिब नहीं समझा। मगर 16 जनवरी को जैसे ही लॉ एवं गृह विभाग से अनुमोदन के बाद नोटिफिकेशन राजपत्र में प्रकाशित करने के लिए लेटर सरकारी प्रेस को गया कि गृह मंत्री का फोन आ गया। इसके बाद उपर से और भी फोन...अभी नोटिफिकेशन रोका जाए। दोनों फोन कॉल का लब्बोलुआब यह था कि शहर नहीं, पूरे जिले को पुलिस कमिश्नरेट में शामिल किया जाएगा। बताते हैं, आखिरी समय में आईपीएस बिरादरी के सीनियर अफसरों का एक धड़ा गृह मंत्री और बीजेपी संगठन के कुछ नेताओं को कंविंस करने में कामयाब हो गया कि सिर्फ शहर के लिए पुलिस कमिश्नरेट बनाने का कोई मतलब नहीं। इसका नतीजा यह हुआ कि नोटिफिकेशन पर ब्रेक लग गया। इसके बाद लोग एकदम अश्वस्त हो गए कि पुलिस कमिश्नर सिस्टम अब पूरे जिले में लगेगा। मगर जो जीता वो सिकंदर...परदे के पीछे चली चकरी ने पूरी बाजी पलट दी। लोगों को समझना चाहिए कि आईएएस देश की सर्वोच्च सर्विस है। यूपीएससी में पहले आईएएस, फिर आईपीएस का नंबर आता है। आईएएस अगर टॉप पर हैं तो उनका ब्रेन भी टॉप का ही चलता होगा न। वैसा ही हुआ। इस गेम का अंतिम नतीजा यह रहा कि ओल्ड रायपुर सिटी में ही पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने नोटिफिकेशन जारी हो गया।

सरकार को माइलेज नहीं

रायपुर के पड़ोसी शहर नागपुर में 30 बरस पहले पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू हो गया था। ओड़िसा भी छत्तीसगढ़ से आगे निकल गया था। ऐसे में, राज्य बनने के 25 साल बाद विष्णुदेव साय सरकार ने पुलिस में रिफार्म का यह ऐतिहासिक कार्य किया। मगर इस काम के लिए जिस तरह धूम-धड़ाके के साथ उसे पॉलिटिकल माइलेज लेना था, वह नहीं हो सका। इसके पीछे क्या वजह रही...ये सरकार के रणनीतिकार बता पाएंगे। जाहिर है, दूसरे विभागों में छोटे से रिफार्म में भी सितारा होटलों में बड़ा इवेंट किया जाता है। किन्तु देश के पुलिस कमिश्नर के नक्शे में रायपुर का नाम शामिल होने के बाद भी कोई जलसा या कार्यक्रम तो हुआ नहीं, पुलिस कमिश्नर ऑफिस में कोई नारियल फोड़ने भी नहीं गया। फर्स्ट पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला का ऑफिस के पोर्च में गाड़ी से उतरते और रायपुर के आखिरी कप्तान लाल उमेद सिंह को बुके देते फोटू और फूटेज के अलावे कुछ भी नहीं हुआ। सरकार के लिए यह एक बड़ा श्रेय लेने का अवसर था।

आखिरी कप्तान

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट उल्लासविहीन माहौल में प्रारंभ हुआ मगर रायपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लोगों ने अतीत की यादों को सहेजने के लिए जरूर एक छोटा सा भावुक कार्यक्रम किया। आधा दर्जन से अधिक रायपुर के पूर्व कप्तान इस मौके पर पहुंचे थे। चाय-नाश्ता और पुरानी यादों तो ताजा करने के साथ ही फोटो सेशन हुआ। बहरहाल, 23 जनवरी को रायपुर पुलिस अधीक्षक का अस्तित्व हमेशा के लिए खतम होने के साथ ही रायपुर के आखिरी कप्तान के तौर पर लाल उमेद सिंह का नाम दर्ज हो गया। इस स्तंभ में पहले भी लिखा गया था कि रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा की सेहत पर पुलिस कमिश्नर का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनका रायपुर रेंज और पांचों जिला सलामत रहेगा। उनका ऑफिस भी वही रहेगा। रायपुर ग्रामीण जिला उनके पास रहेगा। इसलिए जिलों की संख्या भी यथावत रहेगी।

5 रंगरुट आईपीएस

फर्स्ट पुलिस कमिश्नर के लिए शुरू से दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग का नाम प्रमुखता से चल रहा था। 22 जनवरी की रात आठ बजे तक यही था कि रामगोपाल गर्ग कल सुबह रायपुर पहुंचकर कमिश्नरेट में कार्यभार ग्रहण करेंगे। मगर सरकार ने बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला को फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने के लिए सलेक्ट किया। संजीव का चयन इसलिए किया गया कि उन्हें रायपुर की समझ हैं। स्कूलिंग और कॉलेज की पढ़ाई के बाद पुलिस की सर्विस में वे रायपुर में सीएसपी, एडिशनल एसपी और एसएसपी रहे। एमपी की राजधानी भोपाल में भी वे सीएसपी रहे हैं। वे प्रमोटी आईपीएस जरूर हैं मगर प्रोफाइल उनका बड़ा साउंड है। सरकार ने उन्हें सीबीआई में काम कर चुके अमित कांबले को एडिशनल कमिश्नर बनाया है तो डीसीपी और क्राइम, ट्रैफिक के लिए 2020 बैच के पांच अधिकारियों को दिया है। याने रायपुर शहर में अब सीपी और एडिशनल सीपी के अलावे पांच यंग आईपीएस बैठेंगे। सरकार में बैठे अफसरों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में आईपीएस का तीन-चार बैच बुरी कदर डिरेल्ड हो गया था। 2020 बैच को इसलिए डीसीपी बनाया गया है कि पांचों पोलिसिंग में दक्ष हो जांए। अलबत्ता, इस बैच के एक जूनियर आईपीएस नारायणपुर में एसपी हैं। इसको लेकर 2020 बैच वालों में कुछ-कुछ चल रहा था। मगर फर्स्ट डीसीपी बनाए जाने से हो सकता है कि इनकी व्यथा थोड़ी कम हो जाए।

प्रमोटी आईपीएस का दबदबा

छत्तीसगढ़ में प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के लिए यह स्वर्णिम टाईम होगा। इस समय 33 में से 14 जिलों के कप्तान प्रमोटी हैं। इसमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर रायगढ़ और वीवीआईपी जिला जशपुर भी शामिल हैं। रायपुर के पुलिस कमिश्नर के लिए भी प्रमोटी आईपीएस को चुना गया तो रायपुर ग्रामीण में भी प्रमोटी। महत्वपूर्ण यह है कि प्रमोटी होने के बाद भी पोलिसिंग में आरआर याने डायरेक्ट से कहीं पीछे नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ सालों में पुलिस महकमे का ग्रह-नक्षत्र बिगड़ा, उससे सबसे अधिक डायरेक्ट वाले ही प्रभावित हुए। जुआ, सट्टा और शराब ने कई होनहार डायरेक्टर आईपीएस अधिकारियों का कैरियर चौपट कर दिया। बता दें, इस वक्त रायपुर पुलिस कमिश्नर, रायपुर ग्रामीण, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर, सक्ती, रायगढ़, जीपीएम, कोरिया, जशुपर, बेमेतरा, सूरजपुर, कोंडागांव, कवर्धा और गरियाबंद में स्टेट कैडर वाले आईपीएस कप्तान हैं। ये जरूर है कि कमिश्नरेट में पोस्टेड पांच आईपीएस एकाध साल बाद बाहर निकलेंगे तो फिर आरआर का दबदबा बढ़ेगा।

सरकार और संघ का सेतु!

भूपेश बघेल के दौर से मुख्यमंत्री का मीडिया एडवाइजर बनाने की परंपरा शुरू हुई। रुचिर गर्ग उनके मीडिया सलाहकार रहे। विष्णुदेव सरकार में पंकज झा पहले मीडिया सलाहकार बने और अभी आर. कृष्णा दास को मीडिया सलाहकार बनाया गया है। कृष्णा संघ पृष्ठभूमि से हैं। बचपन से संघ की शाखाओं में सक्रिय रहे। इस समय संघ के मीडिया सेल के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। कृष्णा को एडवाइजर टू सीएम बनने का एक मतलब सरकार और संघ के बीच सेतु निर्माण भी हो सकता है। याद होगा, रमन सिंह की तीनों पारी में संघ कोटे से विवेक सक्सेना ओएसडी टू सीएम रहे। फर्क इतना है कि कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर सरकार ने कृष्णा दास का कद बढ़ा दिया है। ऐसा प्रतीत होता है, कृष्णा मीडिया के साथ संघ के मसले भी देखेंगे।

हनी ट्रेप या ट्रेप हनी?

महिला डीएसपी और रायपुर के बिजनेसमैन के लव स्टोरी और विवाद की जांच कर पुलिस ने 1400 पेज की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इंवेस्टिगेशन का दिलचस्प पार्ट यह रहा कि पुलिस अधिकारी उलझे रहे...कौन हनी है और कौन ट्रेप हुआ। दरअसल, इस केस में हनी का स्वाद दोनों पक्षं ने लिया। हनी ने टारगेट का शिकार किया मगर बाद में वह खुद ही ट्रेप हो गई।

कलेक्टर की लिस्ट

जगदलपुर कलेक्टर हरीश एस0 को सरकार ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए रिलीव कर दिया। इसके साथ ही 2017 बैच के आईएएस आकाश छिकारा को वहां का कलेक्टर अपाइंट कर दिया गया। 31 जनवरी के आसपास कलेक्टर की एक लिस्ट और निकलेगी। बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी को भी दिल्ली में पोस्टिंग मिल गई है। पोस्टिंग आर्डर निकलने के बाद थ्री वीक की मियाद पूरी होने वाली है। धान खरीदी को देखते हो सकता है कि सरकार 31 के दो-चार दिन आगे-पीछे उन्हें रिलीव करे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सरकार बने दो साल से अधिक होने के बाद भी बीजेपी नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति क्यों नहीं कर पा रही?
2. डीजीपी अरुणदेव गौतम के पदनाम से प्रभारी शब्द कब हटेगा?

दुनियादारी से दूरी बनाने का ऐलान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

नेहा कक्कड़ को पिछले दिनों 'कैंडी शॉप' गाने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब गायिका ने सोशल मीडिया पर फिर से हलचल मचा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 2 पोस्ट साझा किए। पहली पोस्ट में गायिका ने कामकाजी और रिश्तों से दूरी बनाने का ऐलान किया, जबकि दूसरी पोस्ट में पैपराजी से उनकी निजता का सम्मान करने की उम्मीद की। हैरानी की बात ये है कि कुछ देर बाद नेहा ने इन पोस्ट को डिलीट कर दिया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर नेहा ने लिखा, 'जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और उन सभी चीजों से कुछ वक्त के लिए ब्रेक लेने का समय आ गया है जिनके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पैपराजी और फैंस से निवेदन करती हूं कि मेरा वीडियो न बनाएं मुझे उम्मीद है कि आप मेरी निजता का सम्मान करेंगे। मुझे इस दुनिया में स्वतंत्र रूप से जीने देंगे।' नेहा और उनके भाई टोनी कक्कड़ ने 15 दिसंबर, 2025 को अपना सिंगल गाना 'कैंडी शॉप' रिलीज किया था। सोशल मीडिया पर इसे जमकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने गाने में मौजूद डांस स्टेप्स को घटिया और अश्लील बताते हुए गायिकों पर के-पॉप कलाकारों की नकल करने का आरोप लगाया था।

'खोसला का घोसला 2' की रिलीज से उठाया पर्दा

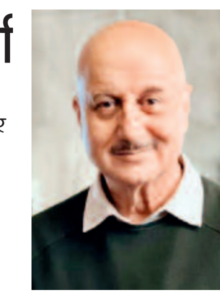

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 'खोसला का घोसला 2' पर अपनी खुशी जाहिर की है। साल 2006 में इसी नाम से रिलीज फिल्म का सीक्वल बन रहा है जिससे जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रहे हैं। करीब 19 साल के बाद फिल्म के सितारों को दोबारा सीक्वल में देखना लोगों के लिए काफी दिलचस्प होगा। इसी उत्सुकता के बीच, अनुपम ने सीक्वल की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट साझा कर दिया है। एक इंटरव्यू में बातचीत में, अनुपम ने स्वीकारा कि 'खोसला का घोसला 2' की घोषणा के बाद लोगों द्वारा मिलने वाली सराहना ने उन्हें चौंकाया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म की इतनी लोकप्रियता होगी।

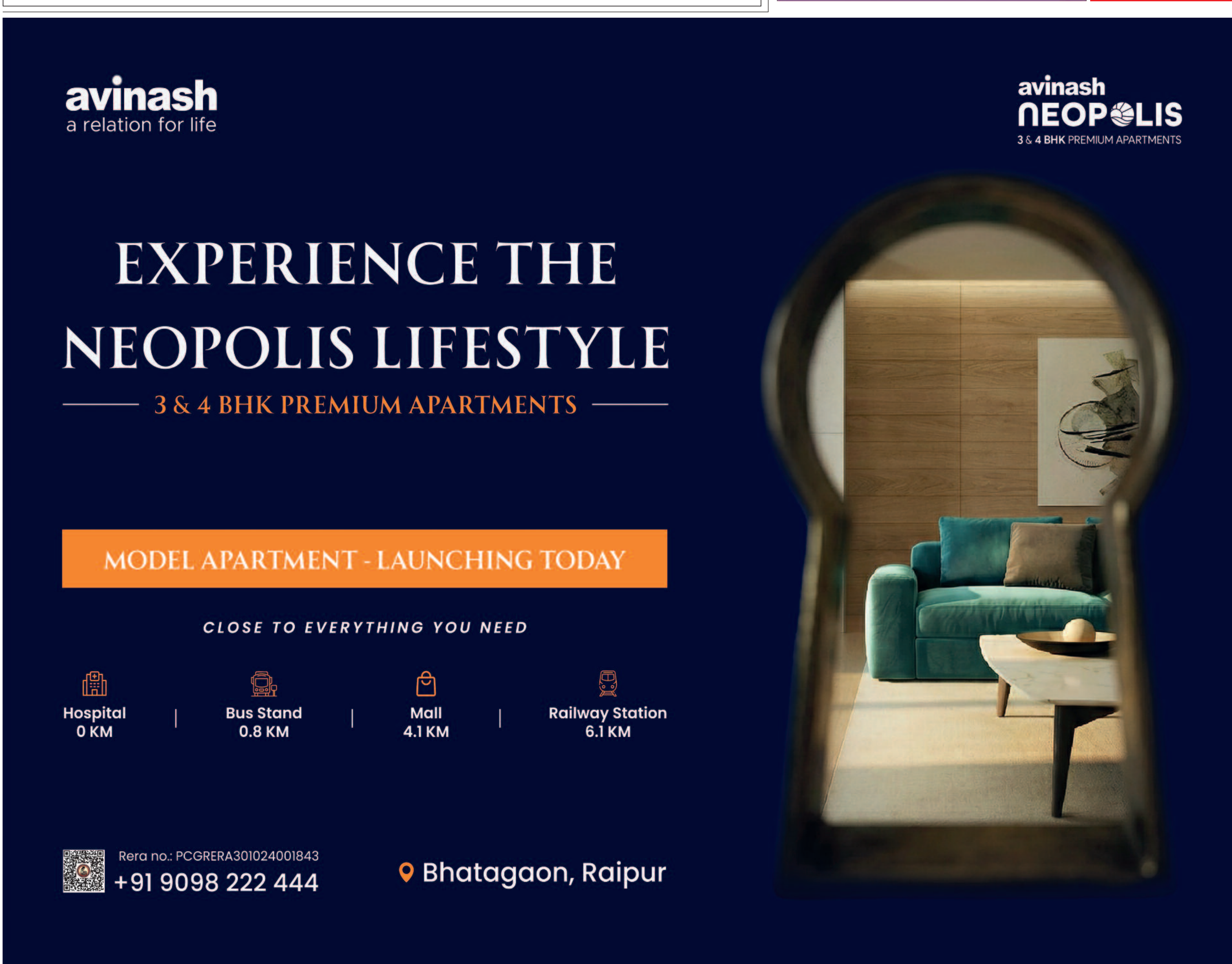

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण
मनीष कुमार चौधरी
स्वतंत्र पत्रकार

> देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है।

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर को सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए यह बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक असमानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में नहीं इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति के रूप में हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए आविष्कारों और तकनीकों विकास से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई, लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भारत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है।

> चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण
सुशील देव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

> महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते हैं।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज- तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

बाबा साहेब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करता है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल में लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लड़ाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती हैं। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो बाबा साहब के

> **बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।**

बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रूप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान में राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पडेगा, यह उनको समझना पड़ेगा।

अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

समृद्धि के ऐतिहासिक सबक

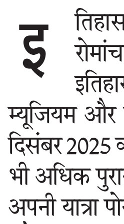

नवाचार
डॉ. रवींद्र के ब्रह्मे

इतिहास को जीवंत देखना एक रोमांचक अनुभूति है। सामान्यत हम इतिहास, पुस्तकों में पढ़ते हैं या म्यूजियम और फिल्मों में देखते हैं, परंतु 29 दिसंबर 2025 को जब लगभग 2000 साल से भी अधिक पुरानी तकनीकी से बने जहाज ने अपनी यात्रा पोरबंदर से शुरू की तो रोमांच और बढ़ गया। लकड़ी के पट्टों को नारियल की रस्सी से बांधकर बनाया गया जहाज कौंडिल्य मानसूनी हवाओं के सहारे 17 दिनों की समुद्री यात्रा के बाद 16 नाविकों के साथ 14 जनवरी 2026 कोमस्कट, ओमान पहुंचा।

यह चौथी शताब्दी ईस्वी के एक जहाज की प्रतिकृतिया पुनर्निर्माण है।यह लोककथाओं और दंतकथाओं को जीवित करने जैसा है। यह सिर्फ एक समुद्री यात्रा नहीं थी। इसने भारत के समृद्धशाली जहाजरानी इतिहास को पुनर्जीवित कर दिया। विश्व के 195 से भी अधिक देशों में भारत ही विश्व का एक मात्र ऐसा देश है, जिसके नाम पर एक महासागर का नाम है- हिंद महासागर। यह नाम सदियों से प्रचलित है। महासागर का यह नाम भारत के भौगोलिक प्रभुत्व और व्यापारिक महत्व से जुड़ा हुआ है। यह अन्य महासागरों से इसीलिए भिन्न है, क्योंकि इसमें मानसूनी हवाओं के कारण धाराओं की दिशा बदलती रहती है, जो समुद्री व्यापार के लिए अनुकूल है। हमारी एक महान समुद्री परंपरा रही है। इसके बारे में हम बहुत कम जानते हैं। दुर्भाग्य है कि यह बात कभी हमारी पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं रही और ना ही हमें कभी इसे पढ़ाया गया। भारत सदियों से व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्राचीनकाल से ही इस महासागर के माध्यम से पूर्वी और पश्चिमी देशों के साथ भारत के व्यापार और संस्कृति का प्रचार-प्रसार हुआ। आज भी हिंद महासागर से दुनिया का लगभग एक तिहाई व्यापार होता है। विश्व व्यापार पिछले 200 वर्षों में विश्व जनसंख्या में लगभग 6 गुना की वृद्धि हुई। विश्व की जीडीपी में लगभग 50 गुना की वृद्धि हुई परंतु विश्व व्यापार में लगभग 140 गुना की वृद्धि हुई है। यह इस बात को बताता है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास का इंजन रहा है और भविष्य में भी यह रहेगा। विश्व मानचित्र पर नजर डालें तो बहुत आकर्षक बातें नजर आएंगी। सभी देशों ने व्यापार, यात्रा और जीवनयापन के लिए जलमार्गों का सहारा लिया और समुद्री विरासत ने सभ्यताओं को बहुत गहरे स्तर पर प्रभावित किया। वैश्विक व्यापार प्रमुख रूप से समुद्री मार्ग से होता रहा है। आज भी विश्व का लगभग 80 प्रतिशत व्यापार समुद्र मार्ग से होता है। भारत का भी लगभग 95 प्रतिशत व्यापार इसी के माध्यम से होता है। आज अमेरिका का वैश्विक अर्थव्यवस्था में जो योगदान है, लगभग इतना ही भारत की अर्थव्यवस्था का 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रहा- लगभग 2000 सालों तक। हमको यह समझना होगा कि केवल घरेलू अर्थव्यवस्था के कारण ऐसा नहीं था। यह इसीलिए हुआ कि भारतीयों की विश्व व्यापार में तूती बोलती थी। यह बड़े-बड़े व्यापारियों के संघ (गिल्ड) और कारीगरों के संघ के कारण था, जो कि आज की बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मिलते-जुलते थे। उनके पास अपनी नौसेना थी। राजवंश आते जाते रहे, साम्राज्य आते-जाते रहे परंतु य विशाल व्यापारी संघ बने रहे। भारत की समृद्धि का इतिहास निर्यात उन्मुख रहा है। हमारे पूर्वज जानते थे कि वास्तविक आर्थिक शक्ति और सैन्य शक्ति ही मायने रखती है।ये दोनों एकदूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं।

युक्ति कल्पतरु : भारत की समुद्री विरासत इसकी 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा जितनी ही विशाल और गतिशील है, जिसपर 12 प्रमुख बंदरगाह और 200 से अधिक छोटे बंदरगाह हैं। यह विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग पर स्थित है। ब्रिटेन और जापान की तरह हम भी एक द्वीप राष्ट्र के सामान ही हैं। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जिसके पास श्रमशक्ति है और जिसके पास जहाज निर्माण का कौशल भी है। हमारे पास इस्पात है, विश्व के इस्पात उत्पादन में हमारा दूसरा स्थान है, परंतु क्या कारण है कि आज जहाज निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक बाजार में हमारी हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी काम है। विश्व में जहाज निर्माण के क्षेत्र में चीन की हिस्सेदारी 45% है और कोरिया और जापान की हिस्सेदारी 20-20 प्रतिशत है। भारत में जहाज निर्माण का समृद्धि इतिहास रहा है।

आज से 1000 साल पहले प्रख्यात भारतीय विद्वान श्री भोजराज द्वारा लिखित ग्रंथ युक्तिकल्पतरु में जहाज निर्माण का विस्तृत वर्णन है। हम पनडुब्बियां बनाते हैं, हम विमानवाहक पोत भी बनाते हैं अपनी जरूरत का 80% क्रूडऑयल हम आयात करते हैं, हम निश्चित रूप से तेल टैंकर बना सकते हैं। भारत का औपनिवेशीकरण वास्तविक रूप से समुद्री मार्ग से हुआ और उपनिवेश ने हमारे आत्मविश्वास को कमजोर किया। आगे का रास्ता भारत की वर्तमान स्थिति विश्व में एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में है। आज हम इतिहास के उसे दौर में रह रहे हैं, जहां स्पष्ट रूप से पुरानी व्यवस्था टूट रही है और नई व्यवस्था उभर रही है, भू-राजनीति, वैश्विक व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संस्थान गहरे दबाव में हैं।कौड़ी नया की यह यात्रा भारत की महान समुद्री परंपरा और विकसित भारत के संकल्प का संदेश है। यह यात्रा हिंदमहासागर में भारत के प्राचीन समुद्री संबंधों का प्रतीक है और साझा समुद्री परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है। समय है कि हम अपनी ताकत में निवेश करें और अवसरों का लाभ उठाएं। आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें अपनी आंतरिक क्षमता पर भरोसा करते हुए बाह्य दृष्टिकोण को अपनाना होगा। हमें अपने निर्यात बाजारों को बढ़ाना होगा, भू-राजनीतिक संबंध बनाने होंगे। भारतीय लोग जोखिम लेने वाले उद्यमी थे। हमें जिस भारतीय सभ्यता का पता है वह बाह्य-उन्मुख जोखिम लेने वाली सभ्यता है, इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

-लेखक पं. रविवि, रायपुर में भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र के निदेशक हैं।

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

भारत निर्वाचन आयोग

अपने समस्त मतदाताओं को **राष्ट्रीय मतदाता दिवस** की **हार्दिक शुभकामनाएं** देता है

16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह

25 जनवरी, 2026

Indian Citizen at the Heart of Indian Democracy

My India **My Vote**

मैं भारत हूँ

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

माननीय राष्ट्रपति, भारत

विशिष्ट अतिथि

श्री अर्जुन राम मेघवाल

माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुतियाँ

- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पुरस्कार
- प्रकाशनों का लोकार्पण:
  - 2025: पहल एवं नवाचारों का वर्ष
  - चुनाव का पर्व, बिहार का गर्व: एक यात्रा - बिहार विधानसभा चुनाव, 2025
- वीडियो स्क्रीनिंग:
  - निर्वाचन आयोग (ECI) का वैश्विक नेतृत्व: चुनावी प्रबंधन और लोकतांत्रिक विकास में योगदान

SCAN QR CODE & TAKE VOTERS' PLEDGE

CBC 52101/13/0020/2026

सशक्त मतदाता, सशक्त लोकतंत्र

Follow us on FB.com/ECI @ecisveep youtube.com/eci @ecisveep Election Commission of India

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस विशेष

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रायपुर, रविवार 25 जनवरी 2026

भारतीय गणतंत्र के समक्ष

वर्तमान चुनौतियां और समाधान

गणतांत्रिक देश बनने के बाद बीते 76 वर्षों में आर्थिक, सामरिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में तो हमारे देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज में विघटन भी नजर आता है। राजनीतिक दलों में आपसी मतभेद और द्वेष तो दिखता ही है। बात-बात पर संविधान को खतरे में बताया जाता है, जबकि ऐसा कहने वाले भी अकसर संविधान का उल्लंघन करने से नहीं कतराते। देश के समक्ष उपस्थित इन तमाम चुनौतियों के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? इनके समाधान के लिए किस स्तर पर कैसे प्रयास किए जाने की जरूरत है? इस बारे में अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन शख्सियतों ने साझा किए अपने विचार।

{ विचार }

जब सबके मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा तभी देश-समाज में शांति आएगी

प्रोफेसर अशोक चक्रधर, साहित्यकार

धर्म-जाति के नाम पर सामाजिक विघटन को लेकर मेरा मानना है कि यदि पूरी दुनिया का धर्म एक होता तो लोगों के बीच जाति, धर्म के नाम पर कड़वाहट का प्रश्न नहीं उठता। कोई किसी धर्म का विरोध न करता, पूरी मानवता का एक धर्म होता। धर्म ज्यों-ज्यों वैयक्तिकता की ओर बढ़ता है, त्यों-त्यों उसका स्वरूप खराब हो जाता है। जब समाज के हर व्यक्ति के मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा, तभी देश-समाज में शांति आएगी। यही समस्या भाषा को लेकर भी है। अपनी मातृभाषा सभी को अच्छी लगती है। ऐसे में देश की भाषा कौन-सी है? राजभाषा, राष्ट्रभाषा है या व्यवहार की भाषा है, उसमें भी लोगों को भ्रम है। दरअसल, भाषा का मुद्दा स्थानीयता से जुड़ा हुआ मामला है।

जहां तक राजनीति और राजनेताओं में द्वेष की समस्या का सवाल है तो यह केवल हमारे देश की चिंता नहीं है, अब यह एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। अलग-अलग दल हैं, उनके अपने विधान हैं, विचारधाराएं हैं, अलग-अलग किस्म की लड़ाइयां हैं। ऐसे में जाति, धर्म, भाषा आदि उनके हथियार बन जाते हैं। सच तो यह है कि राजनीति का शुद्ध स्वरूप कभी रहा ही नहीं। हमारे यहां लोकतंत्र है, उसमें संख्या बल है। अब संख्या बल जुटाने के लिए येन-केन प्रकारेण यानी साम, दाम, दंड, भेद किसी भी तरह के प्रयास किए जाते हैं, क्योंकि सत्ता में आने के लिए जीतना जरूरी है। बेशक सभी दल देश की भलाई के लिए जीतना चाहते हैं, सब अच्छा करना चाहते हैं, देश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन जब तक तिकड़म नहीं करेंगे तब तक संख्याबल कैसे मिलेगा? संख्याबल के लिए (सत्ता में आने के लिए) ही दलों में राजनीतिक द्वेष होता है। यह दुनिया में सब जगह है।

दुष्प्रचारित भले ही किया जाता है लेकिन हमारा संविधान खतरे में नहीं है। संविधान हम सबको आजादी देता है। अब सवाल यह है कि यह आजादी अपनी नाक बचाने की देता है तो क्या दूसरे की नाक तोड़ने की भी देता है? इसका जवाब है कि आपकी आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की नाक आ जाती है। चाहे वह नाक फिजिकल, वैचारिक, अपने ईगो की नाक हो या अपने अस्तित्व की। आपको अपने हाथ मर्यादा में रखने होंगे, आपको इतना हाथ फैलाकर अंगड़ाई लेने का अधिकार भी नहीं है कि दूसरे की नाक टूट जाए। कुछ लोग कहेंगे कि अंजाने में टूट गई, क्षमा करें! सच्चाई यह है कि जितने भी अंजाने में नाक तोड़ने के प्रयत्न हैं, वे जान-बूझकर किए जा रहे हैं। आज लोगों को भ्रमित करने के सशक्त माध्यम मौजूद हैं, जो लोगों को विश्वसनीय लगते हैं। आप जिस दल पर विश्वास करेंगे, वही विश्वसनीय लगेगा। लेकिन कोई भी दल पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है, वह रह ही नहीं सकता। यह उसकी मजबूरी है। ऐसे में हमें चाहिए ऐसा संविधान, जैसा मुक्तिबोध कहते हैं, 'समस्या एक-मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में सभी मानव सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे?' इसलिए ऐसा संविधान बने, जो सबको सुखी, शोषणमुक्त और सुंदर बना दे। सुंदर आदमी तब होता है, जब वह अंदर से तृप्त हो, अभावग्रस्त न हो, बल्कि भावों से संपन्न हो। *

नैतिकता और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है

राकेश सक्सेना, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

आजादी के समय भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। उसके बाद संविधान में कुछ ऐसी बातें आईं कि बहुसंख्यक बैकफुट पर आता चला गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में दस साल के लिए आरक्षण की बात कही, जो आज भी चल रहा है। हाल यह है कि अब न सुप्रीम कोर्ट कुछ कर सकता है न किसी भी राजनीतिक दल का कोई नेता, जबकि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए था। लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने से भले देश कमजोर होता हो लेकिन नेताओं को फर्क नहीं पड़ता। समाज को वसुधैव कुटुंबकम और मानवता की बात सिखाई जानी चाहिए। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली के जो मूलभूत सिद्धांत थे (छात्रों को नैतिकता, राष्ट्रभक्ति, सहिष्णुता के संस्कार देना) वो आज की शिक्षा व्यवस्था में गौण हो चुके हैं। बस ज्यादा कमाने की होड़ है, ऐसे में नैतिकता, सामाजिक हित और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। शिक्षा ग्रासरूट पर काम करके नैतिकता व जीवन मूल्यों को सिखाने का सशक्त माध्यम है।

यह सही है कि गांधीजी का अपना सिद्धांत था। लेकिन देश को आजाद कराने में अहिंसात्मक आंदोलन और क्रांतिकारियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन दोनों की भूमिका रही। आजादी के बाद एक वर्ग के लोगों को सत्ता मिली, लेकिन वे लोग जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान लगा दी। जैसे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को देश में वह मान-सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ये बातें देश के लोग जानते हैं इसलिए समाज में मतभेद है।

हालांकि देश में कुछ लोग सच में राष्ट्रहित चाहते हैं, राष्ट्रप्रेमी हैं। लेकिन यह बड़ी विडंबना है कि कुछ लोगों को देश के खिलाफ बोलने में ही एक वर्ग विशेष का समर्थन मिल रहा है। इससे राजनीतिक द्वेष बढ़ रहा है। अब यह द्वेष केवल देश का आंतरिक मामला नहीं रहा, इसे बाहर से भी बढ़ावा मिल रहा है, जो स्पष्ट दिखाई देता है। बाहर से नैरेटिव आते हैं और फिर कुछ लोग उस नैरेटिव के अनुसार देश के खिलाफ बोलने में खुद को बहुत एडवांस समझते हैं, देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

मेरा मानना है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। कुछ संशोधन राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। सबसे मुख्य बात यह है कि संविधान में यदि सभी को बोलने की आजादी दी गई है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। आज संविधान में नागरिक कर्तव्यों को दरकिनार कर संविधान को एक शील्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई आजादी के नाम पर अभद्र भाषा व देशविरोधी धमकी तक दे देता है। उसके साथ कुछ नहीं होता जबकि ऐसे में राष्ट्रसुरक्षा से जुड़ा केस तक चलाया जा सकता है, यह कानून में है। लेकिन ऐसा नहीं होता। संविधान की आड़ में राष्ट्र विरोध में काम करने वालों को सपोर्ट मिल रहा है। चिंताजनक है कि वे लोग संविधान खतरे में है, ऐसा बोलकर अपनी स्वार्थ की रोटियां सेंक रहे हैं। *

शिक्षा-जागरूकता से ही खत्म हो सकता है धर्म-जाति भेद

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

यह चिंताजनक बात है कि भारत में जो सामाजिक असमानताएं हैं, वो निरंतर प्रयास के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। दरअसल, अधिकांश क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय दल, सभी में राजनीतिक स्वार्थ इतना गहरा है कि धर्म, जाति व क्षेत्रवादी राजनीति करते हैं। भाषा की राजनीति ने तो भारत की आत्मा को छलनी कर दिया है। युवा पीढ़ी इस राजनीति की इस कदर शिकार हो रही है कि वह अपनी पहचान तक के लिए लड़ रही है कि क्या मैं भारत का ही निवासी हूं? यह स्थिति पीड़ादायक है। इस भाषा की राजनीति को जल्द रोकना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सोशल मीडिया के वो इंफ्लूएंसर, जो बिना तथ्यों को समझे गलत जानकारी, भ्रम, अफवाहें फैलाकर समाज में नकारात्मक और ध्रुवीकरण की भावना को फैला रहे हैं, वे भी हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत बड़े बाधक हैं। इनके अलावा हमारी शिक्षा नीति में नैतिक व नागरिक मूल्यों की चर्चा बहुत कम है। ऐसे में विद्यार्थी रोजगार के लिए प्रोफेशनल रूप से तो तैयार हो रहे हैं लेकिन नैतिक आचरण के मूल भाव को नहीं सीख पाते। हमारी शिक्षा नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। विकास की योजनाएं ऐसी हों, जो असमानता को दूर कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे, तभी विघटन दूर होगा। हालांकि मुझे समाज में जाति भेद जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। इसमें अभी समय लगेगा और यह काम केवल शिक्षा व जागरूकता से ही संभव है। सत्ता ऐसा नशा है, जिसे व्यक्ति छोड़ना ही नहीं चाहता और इसे पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथियारों का प्रयोग करता है। आज कुछ लोग इसके लिए राष्ट्रहितों की तिलांजलि देने तक से पीछे नहीं हटते हैं। संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में आ रहे हैं, उनके बजाय पढ़े-लिखे नेता राजनीति में आएं। राजनीति के लिए भी एक न्यूनतम शिक्षा होना अनिवार्य है। जिस प्रकार बाकी क्षेत्रों में ओरिएंटेशन होता है, वैसे ही राजनीति में भी हो, ताकि उन्हें आभास हो सके कि जिस व्यवस्था में वे आए हैं, वहां उनसे क्या अपेक्षा है और क्या उनकी भूमिका होनी चाहिए? इसके साथ ही राजनीतिक समाजीकरण की भी बहुत आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। इससे लोगों को पता चलेगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कौन-कौन से साधन हो सकते हैं। साथ ही ऐसी कौन-सी अवधारणाएं, विचारधाराएं हैं, जो व्यवस्था में कुठाराघात कर रही हैं?

संविधान खतरे में है, यह कहना हास्यास्पद है। जब कोई नेतृत्व में बैठा व्यक्ति यह कहता है तो एक बार वह स्वयं यह विश्लेषण भी कर ले कि संविधान में नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्यों की बात भी है। अगर संविधान खतरे में है तो इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि उसने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कमी रखी है, तभी संविधान खतरे में है। *

समाज बांटने वालों का जनता स्वयं तिरस्कार करे

प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी

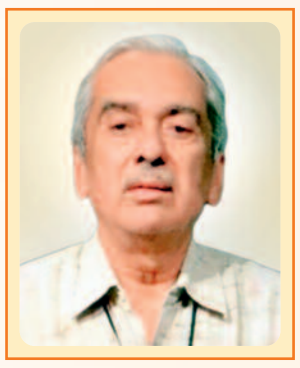

धर्म, जाति व भाषा के विवाद को मैंने लंबे समय से देखा है। यह देश में धीरे-धीरे राजनीति के कारण फैलाया गया। मैंने सभी शिक्षा नीतियों का अध्ययन किया है। सन 1974 से देश-विदेश की महत्वपूर्ण शिक्षा बैठकों का हिस्सा रहा हूं। आजादी के शुरुआती 3-4 दशकों में जो सरकारें बनीं, वे भाषा की समस्या का ऐसा समाधान नहीं निकाल पाईं, जिससे इन प्रवृत्तियों को रोका जाता। देश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का जो कॉन्सेप्ट आया, वह लोगों को अलग करने और अविश्वास पैदा करने में भागीदार रहा। अब अगर आप गांव के स्कूल में कुछ बच्चों को साइकिल, कुछ को वजीफा देंगे और कुछ बच्चों को कुछ भी नहीं देंगे, तो उन मासूम छोटे बच्चों के अंदर कैसी भावना पैदा होगी? हमें इस बात की कोई आवश्यकता नहीं थी कि हम इस तरह का कोई भेदभाव बच्चों के बीच करते। सहायता दीजिए लेकिन उस तरीके से दीजिए कि एक वर्ग के लोगों को ऐसा न लगे कि मैं ही क्यों छूट गया? मैं जापान का उदाहरण अकसर देता हूं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह देश मनोबल और भौतिक स्तर पर टूट गया था। लेकिन उन्होंने अपने स्कूलों के अध्यापकों को तैयार किया और उन्होंने बच्चों को कहा कि अब तुम्हें देश बनाना है। जब तक आपके अध्यापकों को यह पता न चले कि मैं देश का निर्माता हूं, देश का भविष्य बना रहा हूं, तब तक यह अविश्वास बढ़ता रहेगा। यदि हम आजादी के बाद यह भेदभाव न करते तो यह स्थिति न होती। हमने संवेदनशीलता के साथ इस पक्ष का विवेचन नहीं किया। वास्तव में समाज के अलग-अलग वर्गों में बढ़ती दूरी जैसी समस्याएं, आज पैदा नहीं हुई हैं, इनका इतिहास है। जब आपको पिछला पता नहीं होगा, तो आप एक तरफा ही देख सकेंगे। पहले वे लोग, जिन्होंने देश को धर्म और जाति में बांटा, वे जिम्मेदार हैं और आज जो बांट रहे हैं, वे भी जिम्मेदार हैं।

मेरा मानना है कि बच्चों और युवाओं को यह बताना चाहिए कि दुनिया की सभी समस्याओं के पीछे कहीं न कहीं धर्म आ ही जाता है और दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान भी धर्म ही है। समाधान यह है कि हर नागरिक के मन में यह भाव पले कि मेरे लिए मेरा धर्म सबसे अच्छा और आपके लिए आपका। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। जब छोटे बच्चों को हम यह सिखाएंगे कि आपके बगल में बैठे बच्चे का धर्म भी उतना ही महान है, जितना आपका तो उसके मन में सभी धर्मों को लेकर सम्मान रहेगा। यही एक तरीका है, जो सामाजिक विघटन को रोक सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जो नेता किसी भी आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करे, जनता स्वयं उसका तिरस्कार करे। आज का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जो संविधान की मर्यादाओं को स्वयं नहीं मानते, वही कहते हैं कि संविधान खतरे में है। संविधान खतरे में है, ऐसा भ्रम फैलाने वालों को जनता अच्छी तरह जानती-समझती है। इसलिए वही ऐसे लोगों को सबक सिखा सकती है। *

प्रस्तुति: रेनू खंतवाल

गीत

प्रो. शरद नारायण खरे

शूरवीर भारत की सेना

जिसने हर मुश्किल में भी कर डाला शत्रु-दमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।
नहीं जान की कोई फिक्र की, बस सीमा देखी।
निज गृह की परवाह नहीं की, बस हिम्मत देखी।।
भारत की सेना देख करें घुसपैठी त्वरित गमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
आशाओं के दीप जलाकर, हमको राहत नित दी।
सर्दी, गर्मी, बारिश में भी, हमको हिम्मत नित दी।।
हे सेना! भारत की अनुपम, तुमने किया चमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
अंधकार में प्रखर रोशनी, रहते सीना ताने।
सचमुच में हम विश्वविजेता, भले न कोई माने।।
भारत की सेना का अर्पित हरदम तन और मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
तीज और त्योहार सभी ही सीमा पर हैं मनते।
अगर पड़ोसी आंख दिखाए, पलट प्रहार फिर सहते।।
सदा तिरंगा हाथों में, अधरों पर जन-गण-मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
ईद, दिवाली, होली तुमसे, ओ' भारत की सेना।
तुमने तो सीखा है हरदम, केवल सेवा देना।।
वजह तुम्हीं हो, जिसके कारण महक रहा गुलशन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

आज के दौर में देश सेवा के नाम पर अधिकांश अंतरी से लेकर संतरी तक सेल्फ सर्विस करने की ही जुगाड़ में लगे रहते हैं। यही वजह है कि वास्तव में देश सेवा करने वाले लोग खुद को बेबस और असमंजस में महसूस करते हैं। ऐसे ही टेंशनियाए हुए भाई जी की दास्तान।

अब सेल्फ सर्विस ही देश सेवा

भाई जी को देश की चिंता है। वह अपना दुःखड़ा किसे सुनाएं? समाज व्यक्तिवादी होता जा रहा है। नई जनरेशन अपने में मगन है। पुरानी का आचरण अनुकरणीय नहीं रहा। देश की राजनीति लाफ्टर शो हो चुकी है और मीडिया सनसनीखेज न्यूज परोसने में व्यस्त है।

भाई जी का कहना है, यहां हर कोई मनमानी कर रहा है। अंतरी से संतरी तक इसे लूटने में लगे हैं। पगले की भैंस ब्याई है, सब बाल्टी लेकर दौड़ रहे हैं। लोगों के हाथ लंबे और जेबें चौड़ी हो चुकी हैं। अब कोई 'अंडरलैंड डीलिंग' नहीं होती। खुला खेल फरक्खाबादी है।

भाई जी को टेंशनित पाकर मैंने उन्हें सुझाव थमाया, 'आप स्वयं की एक संस्था बना लीजिए, चंद बचे-खुचे समर्पित लोगों को जोड़िए, देश के लिए सार्थक काम कीजिए। तमाम लोग यही कर रहे हैं। जिनके पास खुद के एनजीओज हैं, वे मौज में हैं। उग-पनप रहे हैं। आप भी सरकारी एड हथियाइए और फलिए-फूलिए। इन दिनों स्वयंसेवा ही देश-सेवा है। भुक्खड़ रहनुमा हो गए हैं। 'भूखे भजन न होहिं गोपाला, इस नाते वे अपना पेट भर रहे हैं। पहले स्वयं खा-पीकर मुटा लें, इस लायक तो हो लें कि चल-फिर सकें, तब करेंगे कुछ काम। यों भी कड़ी मेहनत का काम है देश-सेवा। इसके लिए पर्याप्त एनर्जी की आवश्यकता होती है। लोग वैकल्पिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। प्राकृतिक और भौतिक रिसोर्सेज को दुह रहे हैं। ऊर्जा की मलाई चांपते इन जनसेवकों को आप भी अपना आइडियल बनाइए।'

भाई जी की फिक्रमंद खोपड़ी में मेरी यह एडवाइस लगभग-लगभग घुसी। वह कहने लगे, 'मैंने एक बार एक संस्था बनाई थी। चंदा-वंदा भी कलेक्ट किया था। सरकारी अनुदान की जुगत भी भिड़ाई थी। सारा गुड़-गोबर हो गया। चंदे में चींटे लग गए। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी अनुदान प्राप्त करने में खप गया। भैये, यह संस्था वाला धंधा अपने बूते का नहीं है। कुछ नया करना होगा।'

भाई जी की चिंता कैसे सॉल्व हो, अब यह देश की चिंता का विषय है। प्रॉब्लम यह है कि भाई जी को खुला खेल पसंद नहीं है। *

{ लघुकथा / विनय कुमार पाठक }

बेबसी

काफी देर से बिंदी प्रसव पीड़ा से छटपटा रही थी। गांव में पक्की सड़क थी नहीं। शहर को जाने वाली मुख्य सड़क ढाई किलोमीटर दूर थी। बिंदी का पति मंगरू घबरा रहा था। क्या उपाय किया जाए, उसकी समझ में नहीं आ रहा था। फिर गांव के लोगों ने आनन-फानन में बहंगी बनाई और बिंदी को लेकर किसी तरह पक्की सड़क तक पहुंचे। ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी समय लग गया। इस बीच बिंदी दर्द से कराहती रही। सड़क तक पहुंचने के बाद किसी तरह एक वाहन की व्यवस्था कर उसे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह सब करने में काफी देर हो गई। सदर अस्पताल पहुंचते-पहुंचते अधिक रक्तस्राव होने के कारण बिंदी और उसके गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की सांसें थम गईं। मंगरू बदहवास-बेबस सा अपनी पत्नी के शव के बगल में सिर थाम कर बैठ गया। उसका मुख एकदम से मलिन हो गया था। वहीं बगल की दीवार पर एक पोस्टर चिपका था, जिस पर लिखा था, 'आपका स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेवारी।' पोस्टर पर ही राज्य के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के मुस्कुराते चेहरे ऐसे प्रतीत हो रहे थे, जैसे मंगरू की बेबसी पर मुस्कुरा रहे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोशनी की शिनाख्त

वर्तमान हिंदी साहित्य के परिदृश्य में शीर्षस्थ व्यंग्यकारों में ज्ञान चतुर्वेदी भी प्रतिष्ठित हैं। उनकी व्यंग्यात्मक दृष्टि इतनी गहरी और पैनी है कि अपने आस-पास के समाज में पैबस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म विद्रूप की भी वे शिनाख्त करके हमारे सामने ले आते हैं। उनके ऐसे ही कुछ धारदार व्यंग्यों का संकलन 'रोशनी की शिनाख्त' हाल में छपकर आया है। हिंदुस्तान में हिंदी और हिंदी दिवस की दुर्दशा पर करारा कटाक्ष 'साहब और हिंदी' में किया गया है। 'दरअसल आज हिंदी डे है। आज से सरकारी दफ्तरों में हिंदी सेलिब्रेशन पखवाड़ा शुरू होगा।' वर्तमान स्वतंत्र-गणतंत्र भारतवर्ष में गांधीजी कितने प्रासंगिक हैं, इसे समझने के लिए 'गांधी जी की गवाही' व्यंग्य को पढ़ा जा सकता है। इसकी ये पंक्तियां देखने योग्य हैं, 'गांधी जी को मरा बोलते शर्म नहीं आती? वे जिंदा हैं और रहेंगे। अपने पर्स में झांक कर देख। गांधी जी हैं कि नहीं?' देश की नसों में समायी भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को लेखक ने पूरी निर्ममता से 'घोटालों का गणित' में उजागर किया है। एक सवाल में ही इसकी बानगी देखी जा सकती है, 'यदि कोई मंत्री खनिज खोदने और रेत बिकवाने से हजार करोड़ बनाने की ठान ले तो सारा प्रदेश खोद डालने में उसे कितने साल लगेंगे?'

पुस्तक: रोशनी की शिनाख्त, **लेखक:** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस पुस्तक से गुजरते हुए स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि इन व्यंग्यों के कटाक्षों से उत्पन्न होने वाली रोशनी इतनी तेजमय है, जिनसे हमारे देश-समाज की राजनीति, शासन-प्रशासन और तंत्र के अंधेरे-कोनों में भी ढंकी-तुपी विडंबनाओं और विसंगतियों की शिनाख्त आसानी से की जा सकती है। *

जैकेट के शेष

दुर्ग में शुरू होगी पुलिस कमिश्नरी, रायपुर में ...

कार्यकाल को प्रदेश के साथ दुर्ग के लिए भी उपलब्धिभरा बताते हुए कहा कि राजधानी में वीर नारायण सिंह स्टेडियम में जिस तरह बीसीसीआई द्वारा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित किए जा रहे हैं, उसी तरह हमारे दुर्ग के सुभाष स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए बीसीसीआई की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए स्टेडियम का विकास हो रहा है। सिविक सेंटर स्थित उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, व्यवसायियों, समाजसेवियों आदि गणमान्य जनों से खचाखच भरे महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने छत्तीसगढ़ सरकार के दो साल के कार्यकाल में सरकार के विकास, योजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों की उपलब्धियों पर कैबिनेट मंत्री श्री यादव से प्रश्न पूछे। उन्होंने मंत्री से पूछा कि दुर्ग में आपके साथ क्या 4 विधायक ट्विनसिटी में कमिश्नरी लागू करने की आवाज को अपनी सरकार तक नहीं उठा पा रहे हैं, क्या इसकी जरुरत यहां नहीं है? इसके उत्तर में श्री यादव ने कहा कि कमिश्नर प्रणाली धीरे-धीरे अन्य जिलों में भी लागू की जाएगी। सरकार रायपुर में सफलता मिलने के बाद इस प्रणाली को दुर्ग में भी इसे लागू करेगी। इससे कानून व्यवस्था सुगम होगी व अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। दो साल में प्रदेश सरकार की राज्य के साथ अपने दुर्ग विधानसभा की उपलब्धि के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने दुर्ग स्टेडियम को अंतराष्ट्रीय मैचों के लिए 33 साल के लिए लीज पर ले रहा है। इसका लाभ इस अंचल के खेलप्रेमियों को मिलेगा। प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के दो साल की उपलब्धि के प्रश्न पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि दुर्ग में बेंगलुरु की तरह आईटी पार्क व खरखरा जलाशय से पाइप लाइन बिछाकर पेयजल योजना का प्रस्ताव है। इसके तहत राज्य सरकार ने पेयजल योजना के लिए खरखरा जलाशय से पाइप लाइन शिवनाथ तक बिछाने के लिए दुर्ग को 150 करोड़ और भिलाई नगर निगम को 2 सौ करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इसका फायदा भिलाई-दुर्ग के लोगों को मिलेगा। मंत्री श्री यादव ने शिक्षा विभाग की चुनौती के सवाल पर बताया कि हमारी सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा सिस्टम का प्रयास कर रही है। विभाग की चुनौती सरकारी स्कूलों का कमजोर हो जाना है। हमारी सरकार सरकारी स्कूलों के स्तर में सुधार कर प्राइवेट स्कूलों के बच्चों की इन स्कूलों में वापसी कराएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में पहली बार 12000 शिक्षकों को प्रमोशन को प्रमोशन दिया है। 5 हजार पदों पर नियुक्ति देंगे। सीएम विष्णुदेव साय व पूर्व सीएम भूपेश बघेल में फर्क के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 5 साल के कार्यकाल को लोग 25 साल तक याद रखेंगे, जिस तरह अजीत जोगी के ढाई साल के कार्यकाल को देख लोग डॉ. रमन सिंह को 15 साल तक सत्ता पर बिठाए थे। कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों की वर्तमान राज्य सरकार को अफसर चला रहे हैं, के सवाल पर मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि हमारी सरकार में अफसरशाही नहीं है। साय सरकार को कांग्रेस की तरह अफसर नहीं, बल्कि नेता चला रहे हैं। अफसर नीति और नियम बताते हैं। आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, भिलाई मेयर नीरज पाल, रिसाली मेयर शशि सिन्हा, भिलाई-चरोदा मेयर निर्मल कोसरे, उद्योगपतियों और शिक्षाविदों में शंकराचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन आईपी मिश्रा, अरविंदर खुराना, अजय भसीन, अनिल शर्मा, संजय बघेल सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित अन्य भी मौजूद थे।

हरिभूमि- आईएनएच का ,..

के अध्यक्ष कमल सोनी,शिक्षा क्षेत्र से डॉ. सी वी रमन यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार अरविंद तिवारी, बीएनआई के प्रमुख डॉ. किरण चावला छत्तीसगढ़ एवं शहर के विकास पर विचार मंथन करेंगे। कार्यक्रम में एनटीपीसी, एसीसीएल के अधिकारी, जेके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के डायरेक्टर आशीष सिंह, लाइफ केयर हॉस्पिटल के संचालक डॉ रामकृष्ण कश्यप, सृष्टि इंफाबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड के संचालक राजेश देवांगन, मार्क हॉस्पिटल के संचालक डॉ. कमलेश मौर्य, श्री शिशु भवन के संचालक डॉ श्रीकांत गिरी, माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के संचालक डॉ.ओम माखीजा, मुदडा हॉस्पिटल के संचालक डॉ आशीष मुंदडा, प्रथम हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रजनीश पांडे, डीडी तिवारी मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आशुतोष तिवारी, श्री विजय वंदना हॉस्पिटल के संचालक डॉ. विजय कुमार मौजूद रहेंगे।

यूजीसी रेगुलेशन का...

का उल्लंघन करता है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि वो यूजीसी रेगुलेशन, 2026 के रेगुलेशन 3(सी) को असंवैधानिक घोषित करे। इसके लागू करने पर रोक लगाई जाए. याचिकाकर्ता की मांग है कि 2026 के नियमों के अंतर्गत बने सभी शिकायत निवारण सिस्टम को जाति-निरपेक्ष तरीके से सभी जाति के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दे। ये गाइडलाइंस 15 जनवरी 2026 से देशभर के सभी कॉलेज, यूनिवर्सिटियों और उच्च शिक्षा संस्थानों में लागू हो गए।

भूपेश को झटका, सीडी कांड में फिर ..

दाखिल की थी। इसके पूर्व भूपेश बघेल के बचाव में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ वकील मनीष दत्त ने कोर्ट में दलीलें रखीं थीं। अधिवक्ता दत्त ने कहा था कि बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया। भूपेश ने न तो सीडी बनवाई और न ही सीडी बांटी। उन्होंने किसी तरह का कोई ऑफेंस (अपराध) नहीं किया।

दंतेश्वरी मंदिर से ....

अपने अपने घरों में चले गए थे। उनके जाने के लगभग एक घंटे बाद वारदात को अंजाम दिया गया, जो सीसीटीवी में कैद हुआ है। आरोपी पहने हुए जैकेट से सिर को ढंका हुआ नजर आ रहा है। सीसीटीवी में बहुत ही आराम से चोर पीछे के दरवाजे से प्रवेश होते हुए तथा माईं के जेवरात को जांच परख कर निकालता हुआ नजर आ रहा है। सीसीटीवी में एक ही आरोपी नजर आ रहा है, जिसने बड़े आराम से घटना को अंजाम दिया और चलता बना। इधर घटना की जानकारी लगते ही पुलिस विभाग के आला अधिकारी व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दिया। कोतवाली के अलावा बोधघाट थाना प्रभारी व चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले हिस्ट्रीशीटरों की तलाश शुरू कर दी गई, लेकिन सीसीटीवी में कैद आरोपी शहर के बाहर का बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस मंदिर के आसपास व मंदिर के पीछे से प्रवेश करने वाले क्षेत्र की गहन जांच कर रही है। मंदिर के अंदर से काफी जगहों से फिंगर प्रिंट भी फारेंसिक टीम ने जमा किया है। बहरहाल पुलिस की अलग अलग टीम मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीवी में लंगड़ाता हुआ दिखा आरोपी : सीसीटीवी फूटेज में एक दिव्यांग व्यक्ति मंदिर में प्रवेश करता नजर आ रहा है। मगर वारदात के तरीके को देखते हुए लग रहा है कि चोरों की संख्या एक से ज्यादा रही होगी। चोरों ने मंदिर में लगे चैनल गेट को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया और माईं दंतेश्वरी के गले के हार और मंदिर भीतर स्थापित अन्य देवियों के गले से भी आभूषण निकाल ले गए। मौके पर बोधघाट थाना प्रभारी टीआई लीलाधर राठौर, कोतवाली थाना प्रभारी भोलासिंह राजपूत व अन्य विशेषज्ञ की टीम घंटों जांच पड़ताल करती रही। गणतंत्र दिवस के दो दिन पूर्व शहर के सबसे सुरक्षित क्षेत्र में प्रतिष्ठित और आम बस्तरवासी की आस्था के केंद्र माईं दंतेश्वरी मंदिर में चोरों की घटना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

मंदिर सुरक्षा में लगे जवान रहे नदारत : जानकारी के मुताबिक मंदिर की सुरक्षा में प्रतिदिन दो जवानों की ड्यूटी लगी रहती है, लेकिन घटना के दौरान रात्रि में सुरक्षा में लगे जवान नदारत रहे। इसी का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोर घटना को बड़े आराम से अंजाम देकर चलते बने। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि सुरक्षा में जवान तैनात रहते तो चोरी की वारदात को अंजाम नहीं दिया जा सकता था। घटना से मंदिर के पुजारी भी स्तब्ध है तथा चोरी के आभूषणों की जानकारी पुलिस को उनके द्वारा दे दी गई है।

पेज एक के शेष

पांच फ्लाइट के सहारे ...

की सुबह की एक फ्लाइट का संचालन नहीं होगा। इधर गणतंत्र दिवस के मद्देनजर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में सुरक्षा का अतिरिक्त इंतजाम किया गया है। यहां आने वाले यात्रियों के लगेज की कड़ी जांच की जा रही है। अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ वहां फिलहाल विजिटर एंट्री बंद कर दी गई है।

ईयू के साथ ...

बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है।

दो बच्चे समेत चार ...

इंद्रावती नदी में नाव पलटने से चार लोगों की डूबने से मौत हो गई थी। मौत के दूसरे दिन दो लोगों के शव बरामद कर लिया गया था, वहीं तीसरे दिन रात में तथा एक शव सुबह बरामद किया गया। कई घंटों से एसडीआरएफ की टीम लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही थी। दुर्घटना का शिकार हुए नाव में छह लोग सवार थे, जिनमें दो को स्थानीय लोगों ने बचा लिया गया था। सभी ग्रामीण उसपरी साप्ताहिक बाजार में सामान लेने आए थे, जो माड़ क्षेत्र के नदीपार गांव बोड़गा रहने वाले हैं। घटनास्थल बोडगा गांव नदी से 6-7 किमी दूर है। घटना की जानकारी मिलते ही मोटरबोट के साथ एसडीआरएफ की टीम लागातार उसपरी के झिल्ली घाट में लापता लोगों की तलाश कर रही थी। मृतकों में पोदी वेक्को (25), राकेश वेक्को (01), भादो वेक्को (50) तथा सुनीता कोवासी (12) शामिल है।

एक्सीडेंट में घायल ...

तिवारी के अनुसार सारागांव के पास चटौद गांव के पास एक जंगली सूअर जंगल से भटक कर आ गया था। रोड पार करते समय जंगली सूअर ट्रक से टकराकर घायल हो गया। जंगली सूअर के घायल होने पर गांव के स्थानीय रहवासी बादल, सागर, कृष्णा, साहिल राजगोड़ तथा कौशल धीवर घायल उसे खींचकर ले गए और उसे मौत के घाट उतार दिया। जंगली सूअर को मारने वाले सभी बदमाशों को वन विभाग की टीम ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। बदमाशों को गिरफ्तार करने में खरोरा के डिप्टी रेंजर फेंकू राम वर्मा, फारेस्ट गार्ड भूपेंद्र जांगड़े तथा मनहरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शेड्यूल-2 का एनिमल : जंगली सूअर शेड्यूल-2 का एनिमल है। इस वन्यजीव का शिकार करने पर तीन साल की सजा या एक लाख रुपए जुर्माने या फिर कोर्ट जुर्माना के साथ कैद की सजा सुना सकती है। वन विभाग की टीम घटना स्थल पर प्राप्त वीडियो को कोर्ट में साक्ष्य के रूप में पेश करने की बात कह रही है।

न इनकम टैक्स...

कॉमर्स, सराफा और मोबाइल संगठनों ने भी अपनी-अपनी मांगें रखीं हैं। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी और प्रदेश के अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया, हमने कई तरह के सुझाव भेजे हैं। कैट के सुझाव में सबसे बड़ा सुझाव आम करदाताओं के लिए है। इसमें बताया गया है कि भले 12 लाख तक के कर पर छूट का प्रावधान है, लेकिन छोटे करदाताओं के पूंजीगत लाभ को अलग से कर योग्य मानने पर इनको आयकर अधिनियम की धारा 87 के अंतर्गत रिबेट का लाभ नहीं मिल पाता है।

पांच लाख से ज्यादा जीएसटी पर मिले विशेष सुविधा: राजेश वासवानी : छत्तीसगढ़ मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश वासवानी ने सुझाव देते हुए कहा, जो दुकानदार 5 लख रुपए से ज्यादा जीएसटी के रूप में सरकार को टैक्स देते हैं, उन दुकानदारों के लिए मेडिकल, हवाई यात्रा और बच्चों की पढ़ाई पर अतिरिक्त लाभ देना चाहिए जिससे हर वह दुकानदार और व्यापारी ज्यादा से ज्यादा जीएसटी के रूप में सरकार को देंगे। क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड पर जिन व्यापार का प्रॉफिट एक 1% से से चार 4% तक रहता है उन पर बैंक का स्वीपिंग चार्ज पॉइंट 0.25% होना चाहिए। व्यापारियों को व्यापार करने के लिए सीसी लिमिट या बैंकों के द्वारा दिया जाने वाला लोन व्यापारियों के लिए 5 से 6% पर होना चाहिए।

शार्टटर्म की कमाई ...

टैक्स नहीं लगता है। इसी तरह से 24 लाख से ज्यादा की आय वाला करदाता पूंजीगत लाभ से अधिक फायदे में रहता है। ऐसे करदाताओं को रिबेट का लाभ मिलता है। छोटे करदाताओं को अलग-अलग मापदंड के कारण 72 हजार से 1.48 लाख तक का पूंजीगत लाभ कर देना पड़ता है। कैट की तरफ से दो व्यापारियों के बीच के ट्रांजेक्शन पर लगने वाले टीडीएस को भी हटाने की मांग रखी गई है।

सोने और चांदी पर कस्टम ...

राहत मिलेगी। केंद्र सरकार ने पूरे देश में हाल मार्किंग जेवर का विक्रय अनिवार्य किया है किंतु हॉल मार्किंग सेंटरों की उपलब्धता कम है यदि हाल मार्किंग केंद्र खोलने में सब्सिडी दी जाती है तो पूरे देश में हॉलमार्किंग सेंटर प्रत्येक जिले में स्थापित होने की संभावना है। वर्तमान में देश में सोने एवं चांदी के निर्माण करने वाले कारीगरों की स्थिति सही नहीं है इन्हें स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध किया जाए।

पार्टनरशिप फर्मों पर ...

विसंगति की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। पार्टनरशिप फर्मों पर लागू 30% की उच्चतम आयकर दर उन्हें कंपनियों और आय के कुछ विशेष स्रोतों की तुलना में अनुचित नुकसान की स्थिति में रखती है। वर्तमान आयकर व्यवस्था के तहत विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं पर लागू दरें पार्टनरशिप फर्मों के लिए एक स्पष्ट असंतुलन पैदा करती हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal, MD, DM (Cardiology), Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG, 2D-Echo, TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी, खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेगनेंसी डायबिटीज, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Diabetic Clinic

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • स्वास की (अस्थमा) • त्वचा — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधाएं : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण, स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधाएं : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0771-4337888, 7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM, स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईयूआई, आईवीएफ, पीसीओएस, सोनोग्राफी • सभी पैथोलॉजी परीक्षण • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाउलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडिसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे
फोन: +91-0771-4088107/108, इमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध — 24/7 Emergency Services
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला — एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक — सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव, 11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6119

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6118 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

सूडोकू नवताल - 6129

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6128 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

चांदी भर रही निवेशकों की झोली संभलकर करें निवेश

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख (शाखा-उत्पादन)
वन भवन, मध्यप्रदेश, भोपाल
दूरभाष एवं फैक्स नं. 0755-2674171 E-mail: peefprod@mp.gov.in

औद्योगिक बांस के अग्रिम विक्रय हेतु ई-निविदा का विज्ञापन
अधिसूचना क्रमांक / बांस निर्वर्तन/25-26/129 — भोपाल, दिनांक -20/01/2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मध्यप्रदेश वन विभाग के अंतर्गत वानिकी वर्ष 2025-26 में उत्पादित होने वाले औद्योगिक बांस का निर्वर्तन निम्नानुसार तिथियों को संबंधित वन वृत्तों के कार्यालय में ई-निविदा के माध्यम से Online Web Portal, www.mptenders.gov.in पर किया जाना है।

क्रमांक	वृत्त का नाम	प्रथम निविदा का दिनांक	द्वितीय निविदा का दिनांक
1	बालाघाट	23.02.2026	18.03.2026
2	सिवनी	24.02.2026	23.03.2026
3	बैतूल	25.02.2026	24.03.2026
4	खण्डवा	26.02.2026	25.03.2026
5	नर्मदापुरम	27.02.2026	26.03.2026

1. उपरोक्त दर्शित तिथियां पोर्टल पर तकनीकी प्रस्ताव / पूर्ण प्रस्ताव खोलने की तिथियां है।
2. निविदा में प्रस्तावित औद्योगिक बांस की मात्रा की जानकारी उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर दिनांक 25.01.2026 के उपरांत देखी जा सकती है। यह जानकारी संबंधित वनमंडल / वन वृत्त कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।
3. सत्यंकार की राशि (तथा अन्य शुल्क) पोर्टल पर दशार्ये अनुसार ऑनलाईन जमा करनी होगी।
4. निविदा में भाग लेने हेतु क्रेता को स्वयं के / स्वयं की फर्म के नाम पर क्लास -3 डिजीटल सिग्नेचर प्राप्त करने होगें।
5. टेण्डर फॉर्म तथा निविदा की अन्य शर्तें दिनांक 25.01.2026 के बाद उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं, तथा संबंधित वनमंडल/वन वृत्त कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

(बिन्दु शर्मा)
प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन)
मध्यप्रदेश भोपाल

जी - 24853/25 स्वच्छता ही सेवा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक:04-सीईई- सी-एसईसीआर-2026, दिनांक-21/01/2026 **कार्य का नाम :** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर और नागपुर मंडल में निम्नलिखित इलेक्ट्रिकल यूटिलिटीज़ की शिफ्टिंग/कन्वर्ज़न/मॉडिफिकेशन/अंडरग्राउंडिंग के लिए इलेक्ट्रिकल कंस्ट्रक्शन का कामः ((i) जटकन्हार-डोंगरगढ़ के बीच 33 केवी. डी.सी. -01 नग; (ii) परमालकसा राजनांदगांव के बीच 33 केवी, एस.सी. 01 नग; (iii) रसमड़ा-मुड़हीपार के बीच 33 केवी. डी.सी.-01 नग; (iv) लाटाबोर-बालोद के बीच 11 केवी. एच.टी. 07 नग, एल.टी. लाइन-05 नग और ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग-05 नग; (v) राजनांदगांव ईस्ट एल.सी. गेट के पास 04 पोल स्ट्रक्चर (11 KV) 01 नग; (vi) कैंप ऑफिस डब्लू. आर. एस., रायपुर में 11 केवी. 02 नग, (vii) दुर्ग यार्ड में लाइट का लैटिस टावर-डिस्मेंटलिंग 01 नग और (viii) डी. एल. बी. एस. में ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग-01 नग और 33 केवी. पावर लाइन क्रॉसिंग-01 नग **निविदा मुल्य :** रु. 2,98,52,943.83 (रुपये दो करोड़ अन्ठानवे लाख बावन हजार नो सौ तैतालिस दशमलव आठ तीन मात्र) **बयाना राशि :** 2,99,300/- (रुपये दो लाख निन्यानवे हजार तीन सौ मात्र) **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 16-02-2026 को 15:30 बजे। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक :** 16-02-2026 को 15:45 बजे। **कार्य पूर्णता की अवधिः** 08 (आठ माह) एल. औ. ए. जारी होने के तारीख के बाद से । **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान :** उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

सहा. कार्य. विद्युत अभियंता (निर्माण)
सीपीआर/10/AM/643 **द.पू.म. रेलवे, रायपुर**
South East Central Railway @secrail

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति, बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)
Pho. No.07749-296102,e-mail add.-maddi-balod.cg@nic.in, mandibalod.cg@gmail.com

क्र./मंडी/निर्माण शाखा/2025-26/1576 — बालोद, दिनांक 23/01/2026

// मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना //

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.) के अंतर्गत निम्न दर्शित कार्य/स्थल एवं कार्य के सम्मुख दर्शित लागत अनुसार कार्य कराये जाने हेतु छ.ग. लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें केवल पंजीकृत डाक से चार लिफाफा पद्धति से दि 17.03.2026 को 5.30 बजे तक छ.ग. शासन लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015, सड़क/ब्रिज कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं इस निविदा के जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर निविदा प्रपत्र अ (प्रतिशत दर) में सचिव, कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.) में आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं इस कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों/प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 18.03.2026 को दोपहर 02:00 बजे खोली जायेगी।

1. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 09.03.2026 को सायं 05.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 17.03.2026 को सायं 05.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोले जाने की अंतिम तिथि :- 18.03.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक

क्र.	कार्य स्थल	कार्य विवरण	कार्य संख्या	SOR पर अनु. लागत प्रत्येक कार्य (लाख में)	ब्याने की राशि प्रत्येक कार्य FDR में	ठेकेदार की श्रेणी	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रत्येक कार्य	दर अनुसूचि
1	धान उपार्जन केन्द्र जगतरा एवं ग्राम जामगांव (वि.ख. बालोद), ग्राम कमरौद (वि.ख. गुण्डरदेही) तथा ग्राम अंगारी (वि.खं. डौण्डीलोहारा)	सी.सी. रोड	04	8.24	6500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	Based on C.G.P.W.D. Building Works with Effect from 01.01.2015, Road/Bridge Works with Effect from 01.01.2025 & Electrical Works with Effect from 01.07.2015
2	ग्राम जगतरा, जगन्नाथपुर, अरौद कोचेरा (वि.खं. बालोद), देवारभाट, कोबा (वि.खं. डौण्डीलोहारा) तथा ग्राम डुंडेरा, नवागांव-डू (वि.ख. गुण्डरदेही)	कव्हर्ड शेड	08	9.67	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	
3	ग्राम बघमरा (वि.खं. बालोद)	कव्हर्ड शेड	01	9.24	7000/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	
4	ग्राम बुंदेली (वि.खं. डौण्डीलोहारा)	कव्हर्ड शेड	01	9.96	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	
5	ग्राम जगन्नाथपुर (वि.ख. बालोद)	सामुदायिक भवन एवं मंच	01	9.69	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	

1. नियम व शर्ते एवं कार्य से संबंधित जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक 09.03.2026 तक देखे / प्राप्त किये जा सकते है।

S-46674/1
सचिव, कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)
भारसाधक अधिकारी / अपर कलेक्टर, कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

JHAIGO झाईगो Cream 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

सोना-चांदी के बढ़ते दामों से सराफा बाजार में बदलाव, निवेश बढ़ा लाइटवेट ज्वेलरी की मांग बढ़ी

रायपुर। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार हो रही तेज बढ़ोतरी ने सराफा बाजार की तस्वीर बदल दी है। निवेशक 10, 20 और 50 ग्राम जैसे छोटे यूनिट में गोल्ड की खरीद कर रहे हैं, वहीं आम ग्राहक हल्की ज्वेलरी की ओर रुख कर रहे हैं। धनश्री ज्वेलर्स के संचालक ओमप्रकाश सोनी के अनुसार सोने-चांदी के दाम बढ़ने के पीछे वैश्विक कारण हैं। रूस, चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश डॉलर पर निर्भरता कम करने और आपसी लेन-देन रुपये या गोल्ड करेंसी में करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी कारण भारतीय, चीनी और रूसी बैंक बड़े पैमाने पर सोने की खरीद कर रहे हैं, जिससे कीमतों में तेजी बनी हुई है।

सराफा व्यापारी बोले - सोने पर ड्यूटी घटाएं, आम जनता को मिले राहत

उन्होंने चांदी के दामों में उछाल की वजह इसके औद्योगिक उपयोग को बताया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक आइटम, सोलर एनर्जी और अन्य इंडस्ट्रीज में चांदी की खपत लगातार बढ़ रही है, जबकि इसका उत्पादन सीमित है। इसके अलावा वायदा बाजार में मार्जिन मनी पर हो रहे बड़े सौदे भी सोने-चांदी के दाम बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बाजार की मौजूदा स्थिति में ग्राहक 22 कैरेट की हॉलमार्क ज्वेलरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऊंचे दामों के कारण अब जहां पहले 10 ग्राम की खरीद होती थी, वहीं अब वही खरीद 3 से 5 ग्राम तक सिमट गई है। मंगलसूत्र, बिछिया, पायल, नेकलेस, झुमका और अंगूठी जैसी लाइटवेट ज्वेलरी की मांग बढ़ी है। कुछ ग्राहक सोने की जगह चांदी की ज्वेलरी में भी विकल्प तलाश रहे हैं। भंसाली ज्वेलर्स के संचालक सुरेश भंसाली का कहना है कि भारत में सोना-चांदी खरीदना हर संस्कार का हिस्सा है, इसलिए कीमतें बढ़ने के बावजूद इसकी मांग पूरी तरह खत्म नहीं होगी।

बिजनेस साइट

कचना में सुकून भरी जिंदगी का नया पता बना 'द पार्कसाइड'

रायपुर। तेजी से भागती शहरी जिंदगी में आज हर परिवार ऐसे घर की तलाश में है, जहां सुविधा, शांति और बेहतर लाइफस्टाइल का संतुलन मिल सके। रायपुर का कचना क्षेत्र इसी जरूरत को पूरा करता हुआ तेजी से सबसे पसंदीदा रेजिडेंशियल लोकेशन बनकर उभरा है। चौड़ी और साफ सड़कें, कम ट्रैफिक, सुरक्षित माहौल और शहर से बेहतरीन कनेक्टिविटी यही कारण है कि होमबायर्स का रुझान अब कचना की ओर बढ़ रहा है। इसी लोकेशन में स्थित द पार्कसाइड आज एक भरोसेमंद और समझदारी भरे रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। द पार्कसाइड, कचना में अब तक 250 से अधिक परिवार अपना आशियाना बना चुके हैं। यह प्रोजेक्ट केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि एक संपूर्ण लाइफस्टाइल ऑफर करता है। कचना से वीआईपी रोड, शंकरनगर, पंडरी और तेलीबांधा की कनेक्टिविटी बेहद आसान है। साथ ही रिलायंस स्मार्ट, अंबुजा मॉल, जोरा मॉल, प्रतिष्ठित स्कूल और अस्पताल नजदीक होने से रोजमर्रा की जरूरतें सहज हो जाती हैं। यहां 1250 वर्गफुट के 2 बीएचके लग्जरी अपार्टमेंट्स कम अपार्टमेंट और ज्यादा स्पेस की सोच के साथ डिजाइन किए गए हैं, जिससे बेहतर प्राइवेसी और खुलापन मिलता है। फेस-1 और फेस-2 पूरी तरह तैयार हैं। द पार्कसाइड का क्लबहाउस यहां की लाइफस्टाइल की पहचान है, जहां स्वीमिंग पूल, जिम, बैडमिंटन कोर्ट, इंडोर गेम्स, किड्स प्ले जोन, योगा एरिया, कैफे और सामुदायिक कार्यक्रमों की सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां रहने वाले परिवारों के अनुसार, द पार्कसाइड में हर दिन एक सुकून भरी छुट्टी जैसा एहसास देता है। यह प्रोजेक्ट एक खुशहाल, सुरक्षित और जीवंत कम्युनिटी का उदाहरण बन चुका है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर वेतन 15000/- फील्ड अधिकारी वेतन 15000/- आवास मुफ्त, योग्यतानुसार वेतन संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

आवश्यकता है- बेरोजगार युवा आज ही नौकरी पाइए! पद – सिक्योरिटी गार्ड योग्यता – 5वी से 12वीं पास,ग्रेजुएट भी मान्य सुविधा – रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन – 9,500 से 18,000 प्रति माह लोकेशन – नया रायपुर । रायपुर । रायगढ़ । आज ही कॉल करें और नौकरी पक्की करें 9201958117, 9201958118.(RO-6547)

सेल्स मार्केटिंग

WE ARE HIRING- Anopchand Tilokchand Jewellers Flagship Store, Sadar Bazar Location: Raipur & Bhilai, CG Contact: 7222929111. Positions: Sales Executive (M/F), Floor Manager, General Manager, Store Manager, Receptionist, Cash Counter Executive, Tele Caller, Office Boy, Driver Eligibility: Freshers & experienced. Jewellery/retail experience preferred. Bring: Resume (RO-0326)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

देखरेख

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800.(RO-6995)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क रायपुर 8349712577, 9981390074.(RO-494)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्पयूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405. (RO-39659)

स्टेशनरी

आवश्यकता है- बुक स्टाल व स्टेशनरी में कार्य करने हेतु ग्रेजुवेट लड़को/लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार। संपर्कः- श्री राम चंद बुक स्टाल, राज टाकीज के पास, पुराना बस स्टैंड रायपुर (RO-214)

सुपरवाइजर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291.(RO-39669)

क्लासीफाईड

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

इंजीनियर

Urgent Required:- Experienced Civil Engineer (Fresher can be applied)- 10 post, Electrical Engineer - 02 post and Mechanical Engineer- 01 post for Raipur/ Nava Raipur site and nearby, Building Experience is must and salary as per Experience. Please Contact /WhatsApp on 9009540543, e-Mail:- lalitks.in@gmail.com (RO-6545)

ड्रायवर

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में टाटाऐस चलाने हेतु ड्राइवर एवं काम करने हेतु अनुभवी/बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.(RO-491)

नर्स/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- मेडिकल स्टोर्स के लिए अनुभवी लड़का, PRO, नर्स (GNM, ANM), OT Technician, TPA मैनेजर। कैलाश कान्ता हॉस्पिटल, जोरा रायपुर। 9300734153, 07712994153 मिलने का समय दोपहर 12:00 से 2:00 (RO-144)

सर्विस इंजीनियर

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित राइस मिल रबर रोल फर्म को अनुभवी राइस मिल स्पेयर सर्विस इंजीनियर की आवश्यकता है। मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल में डिप्लोमा/आईटीआई को प्राथमिकता वेतनः अनुभव अनुसार संपर्क- श्री मोहन रावत +919599605274.(RO-0329)

पैकिंग/ऑपरेटर कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं कंप्यूटर अप्रेटर कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375.(RO-465)

मार्केटिंग/कॉलर

आवश्यकता है- पेंट, सीमेंट शोरूम में कार्य हेतु मार्केटिंग स्टाफ- टेली कॉलिंग, कलेक्शन पर्सन-की आवश्यकता है, आकर्षक वेतन योग्यतानुसार संपर्कः नरेश ट्रेडर्स, टाटीबंध रायपुर 9827163561.(RO-466)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- आइसक्रीम/शेक दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। तुरंत जॉइन करें। संपर्क करें - 9975618165 स्थानः रायपुर (RO-23)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर, कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव-प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590.(आरो न.-215)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अकाउंटेंट/सेल्समैन

आवश्यकता है- चायपत्ती के ऑफिस में अकाउंटेंट की एवं सेल्समैन व ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह- 9753674707, 0771-4075490.(RO-6548)

पार्लर कार्य

आवश्यकता है- ब्यूटी पार्लर में कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है पता सिया ब्यूटी पार्लर गली नंबर- 7 मार्ग- 3 न्यू आदर्श नगर दुर्ग MO.9238521535. (आरो नं.-10356)

फिटर/मेंटेनेंस इंजीनियर

आवश्यकता है- मशीन फ़िटर एवं मेंटेनेंस एक रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कंपनी को अनुभवी मशीन फ़िटर एवं मेंटेनेंस इंजीनियर की आवश्यकता है। 10वर्ष का अनुभव योग्यताः आईटीआई/डिप्लोमा (मैकेनिकल को प्राथमिकता) वेतनः अनुभव अनुसार संपर्क श्री बी. बी. उपाध्याय +917351398771, +919410202426.(RO-0328)

हेल्पर

आवश्यकता है- जॉब वैकेंसी होलसेल मेडिकल शॉप, महावीर नगर, रायपुर में कार्य हेतु 4 हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है*ऑफिस टाइम सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक संडे छुट्टी सेलेरी 9 हजार *संपर्क - 8344890000* सुबह 10 बजे के बाद संपर्क करें(RO-139)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , जो शहर से बाहर रहकर काम कर सके,योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक,वेतन - 12000+ कमीशन बोनस (रहना फ्री गाड़ी फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25-हजार ,मो.9982589693, 8815522974. (RO-1297)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमिशन (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो.9982589693.(RO-527)

Property प्रापर्टी

प्लॉट बेचना है - सिकोला जयंती नगर दुर्ग में 55× 75= 4125 वर्गफिट, दो तरफ रोड एवं उरला बघेरा दुर्ग में 40× 60=2400 वर्गफिट जमीन। दोनों प्लॉट डायवर्टेड है। संपर्क - 9373701656, 9422136682. (आरो नं.-10354)

हरिभूमि

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 49वर्षीय अपना बिज़नेस वर हेतु विधवा तलाक शुदा (संतान ना हो)गरीब परिवार मान्य, जाती बंधन नहीं, बिलासपुर को प्राथमिकता सम्पर्क 8815579810 (40131)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

खबर संक्षेप

दुबई डेजर्ट क्लासिक : शुभंकर और युवराज कट से चूके

दुबई। भारत के शुभंकर शर्मा और युवराज सिंह संधू ने दूसरे दौर में भी खराब प्रदर्शन किया, जिससे वह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह नहीं बना पाए। प्रतिष्ठित रोलेक्स सीरीज प्रतियोगिता में पदार्पण कर रहे संधू ने 73 और 73 के राउंड खेले, जबकि शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और शुरुआती 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में निराशाजनक 77 का स्कोर बनाया। इस बीच पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ने दूसरे दौर में 66 का स्कोर बनाकर एक शॉट की मामूली बढ़त हासिल कर ली।

सूर्या ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज : शिवम दुबे

रायपुर। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ

दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस स्टार बल्लेबाज ने धमाकेदार पारी खेलकर दिखा दिया कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारुप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने 23 पारियों के बाद पहली बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया, जिससे अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनके आलोचकों का मुंह बंद हो गया। दुबे ने कहा , 'कुछ समय पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुझसे सूर्यकुमार यादव की फॉर्म के बारे में पूछा गया था। तब मैंने कहा था कि वह उस तरह का खिलाड़ी है कि जब वह अपनी फॉर्म दिखाएगा तो तब दुनिया को पता चलेगा कि वह किस तरह का खिलाड़ी है।

फाइनल में जगह पक्की करने के लिए भिड़ेंगे हैदराबाद और रांची रॉयल्स

भुवनेश्वर। हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स की टीमें रविवार को यहां क्वालीफायर दो के करो या मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेंगी तो उनके पास फाइनल में जगह पक्की करने का आखिरी मौका होगा। फाइनल में जगह बनाने की जंग निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और इस मुकाबले को जीतने वाली टीम क्वालीफायर एक और तालिका में शीर्ष पर रही कलिंगा लांसर्स के खिलाफ सोमवार को खिताबी मुकाबला खेलेगी। हारने वाली टीम सोमवार को एचआईएल जीसी के खिलाफ तीसरे-चौथे स्थान के मैच में खेलेगी। हैदराबाद तूफान्स ने एलिमिनेटर में एचआईएल जीसी को 2–0 से हराकर क्वालिफायर-दो में जगह बनाई। इस मुकाबले में टीम ने सधी हुई रक्षात्मक खेल दिखाया और मिले मौकों का भरपूर फायदा उठाते हुए खिताबी दौड़ में खुद को बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : गर्मी के कारण रोके गए आउटडोर गेम

भीषण गर्मी से जूझे टेनिस सितारे, सिनर, कीज पेगुला और अनिसिमोवा जीते, ओसाका बाहर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया।

सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं, जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। वहीं ओसाका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच की रिकॉर्ड 400वीं जीत

दिग्गज नोवाक जोकोविच ने टेनिस जगत नया इतिहास बनाने का सिलसिला जारी रखते हुए ग्रैंड स्लैम में 400वीं जीत और ऑस्ट्रेलियन ओपन में 102वीं जीत दर्ज की। चौबीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर के मैच में बोटिक वान डे जैंडस्चुल्प को 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर ग्रैंड स्लैम एकल मुकाबलों में 400 जीत दर्ज करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनका जीत-हार रिकॉर्ड 102-10 हो गया, जो इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक मैच जीत के मामले में रोजर फेडरर के करियर रिकॉर्ड की बराबरी है।

कीज और जेसिका की चौथे दौर में एंट्री

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

चोट के कारण हटीं ओसाका

जापानी खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से मैच से पहले हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई

क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलना था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि अपने पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक ऐसी समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' ओसाका ने पोस्ट किया, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था इसलिए यहां रुकना मेरे दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।' टूर्नामेंट द्वारा बाद में जारी किए गए बयान में ओसाका ने कहा कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी।

भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। इससे पहले बालाजी और ऑस्ट्रिया के उनके जोड़ीदार नील ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया।

अंडर-19 विश्व कप

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया, म्हात्रे ने खेली विस्फोटक पारी

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

कप्तान आयुष म्हात्रे की 27 गेंदों में खेली गई 53 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से सात विकेट से करारी शिकस्त दी।

भारतीय टीम ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बारिश से प्रभावित 37-37 ओवर के इस मुकाबले को बेहद आसानी से अपने नाम कर टूर्नामेंट में दबदबा कायम रखा। न्यूजीलैंड ने 22 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। मैच दोबारा शुरू होने पर इसे 37-37 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और 69 रन पर सात विकेट गंवा बैठी। भारतीय गेंदबाजों के निरंतर प्रहार के चलते टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ढेर हो गई। भारत ने संशोधित लक्ष्य 130 रन का पीछा करते हुए महज 13.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों में टॉस जीतकर भारत ने गेंदबाजी का फैसला किया। आर.एस. अमब्रिश (29 रन पर चार विकेट) और हेनिल पटेल (23 रन पर तीन विकेट) ने न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए, जिससे टीम उबरने में नाकाम रही।

न्यूजीलैंड की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम

न्यूजीलैंड की ओर से शीर्ष पांच बल्लेबाजों में केवल स्नेहित रेड्डी (10) ही दो अंकों तक पहुंच सके। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने कुछ देर तक संघर्ष जरूर किया, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। जैकब कॉटर (23), कैलम सैमसन (37) और सेल्विन संजय (28) ने अंत में कुछ उपयोगी रन जोड़े, लेकिन वे भारतीय गेंदबाजों के सामने अपनी पकड़ नहीं बना सके। भारत की ओर से खिलान पटेल, मोहम्मद इनान और कनिष चौहान ने एक-एक विकेट हासिल किया। भारत को लक्ष्य का पीछे करते हुए शुरुआती झटका लगा और आरोन जॉर्ज (सात) जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी (23 गेंदों में 40 रन; दो चौके, तीन छक्के) और कप्तान म्हात्रे ने दूसरे विकेट के लिए 76 रन की मजबूत साझेदारी कर पारी को संभाला।

रणजी ट्रॉफी

शमी ने झटके 5 विकेट जीत के करीब बंगाल

एजेंसी ▶▶| कल्याणी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी (51 रन देकर पांच विकेट) ने बंगाल को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के तीसरे दिन सेना के खिलाफ बोनस अंक के साथ जीत के करीब पहुंचा दिया। शमी ने 16 ओवर में तीन मेडन से 51 देकर पांच विकेट चटकाकर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम का बल्लेबाजी लाइनअप लड़खड़ा गया और सेना की टीम ने दूसरी पारी में 231 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। इससे वह 102 रन से पिछड़ रही है। बंगाल ने इससे पहले अपनी पहली पारी में 519 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था और सेना को महज 186 रन पर आउट करके 333 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। शमी ने सेना के सलामी बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला (00) और तीसरे नंबर के बल्लेबाज रवि चौहान (08), रजत पालीवाल (83), विनीत धनखड़ (13) और अर्जुन शर्मा (2) को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। नाडियाड में ग्रुप के एक अन्य मैच में गुजरात दूसरी पारी में 347 रन पर ऑल आउट हो गई, जिससे वह हार की कगार पर है।

रेलवे को जीत के लिए 99 रन बनाने हैं। रेलवे ने पहली पारी में मेजबान टीम को 175 रन पर आउट कर दिया था। रेलवे ने जुबैर खान की 104 रन की शतकीय पारी के साथ रवि सिंह (98), कप्तान भार्गव मेराई (55) और कर्ण शर्मा (60) के अर्धशतकों की बदौलत 424 रन बनाकर 249 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में बल्ले से काफी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद गुजरात की टीम 347 रन पर सिमटकर 98 रन की बढ़त ही बना सकी जिसमें जयमीत पटेल ने 101 और उर्विल पटेल ने 64 रनों की शानदार पारी खेली।

डब्ल्यूपीएल: आरसीबी की पहली हार दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से दी मात

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

दिल्ली कैपिटल्स ने अनुशासित गेंदबाजी के बाद लौरा वोलवार्ट 42 रन की नाबाद पारी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में तालिका में शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 26 गेंद रहते सात विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को टूर्नामेंट में पहली हार का मुंह देखना पड़ा, जिसके छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हैं। इस हार के बावजूद वह शीर्ष पर कायम हैं। दिल्ली कैपिटल्स छह मैच में तीसरी जीत से छह अंक से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने आरसीबी को 20 ओवर में महज 109 रन पर समेट दिया। आरसीबी की केवल तीन खिलाड़ी ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकी, जिसमें कप्तान स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदिनी शर्मा ने तीन विकेट जबकि मरिजान काप, चिनेल हेनरी और मीनू मणि ने दो दो विकेट झटके। श्रीचरणी ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य बड़ा नहीं था और दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर इसे हासिल कर लिया। उसके लिए लौरा वोलवार्ट 38 गेंद में 42 रन बनाकर नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए सयाली सतघरे ने पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (आठ गेंद में 16 रन) और लिजेल ली (06) के विकेट लेकर शुरूआती झटके दिए।

स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने

पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

कार्यालय नगर पालिक निगम धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
Email ID - commissionerdhamtari@gmail.com, Phone/Fax 07722-241599

-:: ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ::-
Main Portal : http/eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/कार्य.अभि./लोक कर्म/ई निविदा/2026/4519 धमतरी, दिनांक 22/1/2026
टेण्डर सिस्टम नम्बर : 184223, 184224, 184226, 1842228, 184232, 184234, 184235, 184238.

नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा पार्षद निधि अंतर्गत 08 विभिन्न जोनल कार्यों (वार्ड क्र. 01 से 40 में जोनवार/वार्डवार नवीन सीमेंट कांक्रीट मार्ग, नाली, बस स्टॉप, उद्यान, मूत्रालय, चबूतरा निर्माण, सार्वजनिक/सामुदायिक/सांस्कृतिक भवन का संधारण एवं भवन में नवीन सुविधाओं की व्यवस्था/बोर खनन/पाईप लाईन विस्तार/मुक्तिधाम का उन्नयन/विद्युतीकरण आदि कार्य)-प्रति जोन कार्यों का अनुमानित लागत राशि 20.00 लाख रु. के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में एवं Main portal : eproc.cgstate.gov.in पर पंजीकृत ठेकेदारों से छत्तीसगढ़ के लोनिवि के भवन एसओआर 2015, सड़क एसओआर 2025, विद्युत एसओआर 2020 एवं पीएचई एसओआर 2020 अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य सम्पादन हेतु निविदा प्रपत्र "A" में दिनांक 16/02/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यों का कार्यवार निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main Portal : http/eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम धमतरी

छत्तीसगढ़ शासन ग्रामोद्योग विभाग के सौजन्य से
कोसा एवं कॉटन, हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी सह विक्रय
दिनांक: 20 जनवरी से 26 जनवरी 2026
समय: सुबह 11 बजे से रात्रि 09 बजे तक
स्थान: पंजाबी पैलेस, गणेश मंदिर के सामने, सेक्टर-5, भिलाई
विशेष आकर्षण
कोसा साड़ियाँ, कोसा ड्रेस मटेरियल, सुटिंग-शर्टिंग, जैकेट, कॉटन बैडशीट, टॉवेल, नेपकिन, पिलो कव्हर, आदि वस्त्र, आकर्षक रंगों एवं मनमोहक डिजाईनों के अद्भुत कलाकृतियों में उपलब्ध है।
वस्त्रों पर 20% की छूट
प्रदर्शनी में आप सादर आमंत्रित हैं।
Deepak Advts.

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला- बालोद (छ.ग.)
Email: nagarpanchayatgurur@gmail.com Phone No: 07749-265438,

-:: ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा आमंत्रण प्रथम सूचना::-
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक /1495 / लो.नि.वि./ई-निविदा/2025-26/ गुरूर, दिनांक 21.01.2026

नगर पंचायत गुरूर क्षेत्रांतर्गत 15 वां वित्त मद तहत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 16.02.2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वार्ड क्र. 02 में पाईप लाईन विस्तार कार्य	184262	13.37	10000.00	डी एवं उच्च वर्ग	03 माह	छ.ग. लो.नि.वि. के भवन एस ओ.आर. 2015, रोड एस.ओ. आर. 2015, E&M एस.ओ. आर. 2020 (अद्यतन संशोधित) अनुसार
2	वार्ड क्र. 1,2,7,9,13 में पाईप लाईन विस्तार कार्य	184267	23.84	18000.00	डी एवं उच्च वर्ग	03 माह	

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal: eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
राजनांदगांव शाखा :–फव्वारा चौक,दिग्विजय कॉलेज रोड, राजनांदगांव छ.ग.

मांग सूचना

निम्नलिखित उधारकर्त्ताओं एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि उन्होने बैंक से जो ऋण लिया है उसके मूलधन और ब्याज के पुर्नभुगतान में चूक की है जिस कारण उनका खाता अनर्जक आस्ति (NPA) में परिवितित हो गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13(2) के तहत इन सभी को उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किया गया था। अब उन्हें सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जा रहा है।

ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	सम्पत्ति का विवरण/लागू होने वाली सुरक्षित सम्पत्ति का पता	नोटिस की तिथि / एन.पी.ए. की तिथि	बकाया राशि (नोटिस की तिथि के अनुसार)
उधारकर्ता:–श्रीमान विजय कुमार डुम्मु, इंदिरा नगर, वार्ड क्रमांक 05 डोंगरगढ़, राजनांदगांव, छ.ग., श्री विजय कुमार डुम्मु, प.ह.नं. 25, खसरा नं. 159/79, कोदर बड़ी, रेलवे स्कूल वार्ड क्रमांक 03, डोंगरगढ़, राजनांदगांव छ.ग.	साम्यिक बंधक युक्त आवासीय मकान जिसका खसरा संख्या 159/79, प.ह.नं. 25, केदारबाड़ी, डोंगरगढ़, वार्ड संख्या 03, जिला – राजनांदगांव, छत्तीसगढ़, क्षेत्रफल 2.75 डिसमिल जो कि श्री विजय कुमार डुम्मु के नाम पर स्थित है।	15.01.2026 / 29-05-2025	₹ 18,43,367.97/- + ब्याज + अन्य खर्चे दिनांक 30-04-2025 से

इन्हें सूचित करने के लिये अन्य वैकल्पिक माध्यमों के द्वारा उपाय किये जा रहे हैं। उधारकर्त्ता और उनके जमानतदारों (जहाँ लागू हो) को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के पश्चात वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13(4) के तहत आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

दिनांक : 25.01.2026, स्थान : राजनांदगांव
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India — भारत सरकार का उपक्रम / A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018
परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]
अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचनाः बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी ने **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** लिया है, **"जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है"** के आधार पर दिनांक **27/02/2026** समय (प्रातः **11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक**) पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रू.)	आरक्षित मूल्य / अमानत राशि / बोली वृद्धि राशि
01	भोलानाथ शिट, रीना शिट, शाखा-रिसाली	**स्वामित्वः रीना शिट**, प्लॉट नं. 27, शिव मंदिर के पीछे, दया नगर, प्रगति नगर, रिसाली, वार्ड नं. 61, भिलाई, जिला- दुर्ग। क्षेत्रफल 450 वर्ग फुट में स्थित एक तीन मंजिला आवासीय भवन।	₹ 25,57,342.67 + 31.07.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 19.00 लाख / ₹ 1.90 लाख / ₹ 0.30 लाख
02	श्री ब्रज भूषण पैंकरा, श्रीमती सुनीता पैंकरा, शाखा- प्रियदर्शिनी नगर	मौजा- पिरदा, प.ह.नं. 76, आरआईसी रायपुर, तहसील व ज़िला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 398.77 वर्गफीट में स्थित आवासीय फ्लैट नं. 9/8 का ईडब्ल्यूएस।	₹ 4,51,556.82 + 21.06.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 6.00 लाख / ₹ 0.60 लाख / ₹ 0.06 लाख
03	श्रीमती सुनीता पैंकरा, श्री ब्रज भूषण पैंकरा, शाखा- प्रियदर्शिनी नगर	मौजा- पिरदा, प.ह.नं. 76, आरआईसी रायपुर, तहसील व ज़िला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल- 398.77 वर्गफीट में स्थित आवासीय फ्लैट नं. 10/6 का ईडब्ल्यूएस।	₹ 4,52,139.09 + 21.06.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 6.00 लाख / ₹ 0.60 लाख / ₹ 0.06 लाख
04	श्री नितिन कुमार सोनी, श्रीमती सरस्वती चंद्रवंशी, शाखा-पंडरी एलआईसी	**स्वामित्व- सरस्वती चंद्रवंशी**, दूसरी मंजिल, ब्लॉक बी-3, डीएम टावर, रावाभाटा, क्षेत्रफल- 625 वर्गफीट में स्थित फ्लैट नं. बी-3 208.	₹ 11,06,231.00 + 31.07.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 12.00 लाख / ₹ 1.20 लाख / ₹ 0.12 लाख
05	मेसर्स रेनबो वाटर प्लांट प्रोप. माया उपाध्याय, शाखा- राजिम	प्लॉट सर्वे नं. 724/2, 724/3, ग्राम- पोस्ट- जामगांव, तहसील- राजिम, गरियाबंद, कुल क्षेत्रफल 4304 वर्ग फुट में स्थित संपत्ति।	₹ 8,80,570.22 + 06.07.2022 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 12.00 लाख / ₹ 1.20 लाख / ₹ 0.12 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।
ई-नीलामी की तिथि व समयः 27/02/2026, सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें **ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in** के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: **क्र. 01 के लिएः श्री वी.के. मोहन/ मोबा. 6380747942, नं. 02, 03: श्री गौरव मिश्रा/ मोबा. 7800002186, नं. 04: श्री मुकेश देवांगन/ मोब. 9981545454, नं. 05: श्री गौरव मिश्रा/ मोबा. 7800002186.**

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 30 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांकः 24.01.2026, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

कार्यालय नगर पालिका परिषद गरियाबंद, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
दूरभाष 07706-241349 फैक्स नं. 07706-241349, Email- nagarpalikagariaband@gmail.com

क्रमांक /1193/ न.पा./राजस्व/दु.नी./2025-26 गरियाबंद, दिनांक 23.01.2026

// दुकानों की आम नीलामी संशोधित सूचना //

नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्रांतर्गत दुकानों का आम नीलामी अधिकतम प्रीमीयम के लिए नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिका अचल संपत्ति अंतरण नियम 1996 के तहत **गांधी मैदान गौरव पथ रोड दुकान संख्या 48 का दिनांक 16.02.2026 को समय दोप. 12.00 बजे** एवं शुक्रवारी हाट बाजार दुकान संख्या 38 का दिनांक 18.02.2026 को समय दोप. 12:00 बजे से नगर पालिका परिषद गरियाबंद प्रांगण में आम नीलामी किया जावेगा। इच्छुक व्यक्ति अमानत राशि जमा कर निर्धारित तिथि एवं समय के 2 घंटे पूर्व स्थल पर उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है। दुकानों से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :-

गांधी मैदान गौरव पथ रोड दुकान संख्या-48 (नीलामी दिनांक 16.02.2026 समय दोप. 12:00 बजे)

दुकान क्र.	साईज (वर्ग मीटर)	ब्लॉक	ऑफसेट प्राईज (लाख में)	अमानत राशि	आरक्षण की स्थिति
01 से 24	3.60X4.50	भुतल	4.70	47000	अ.जा. 1, 11, 19, 24, अ.ज.जा. 2, 12, 23, अपिव. 3, 13, 20, विधवा 4, विकलांग 5, भु.पू.सै. 14, स्व.संग्रा. 15, शि.बेरा. 6, अना. महिला 8, 16 तृ.लिंग 7, अना. 9, 10, 17, 18, 21, 22
25 से 48	3.60X4.50	प्रथम तल	4.15	41500	अ.जा. 25, 35, 43, 31, 48, अ.ज.जा. 26, 36, 47, अपिव. 27, 37, 44, 32, शि.बेरो. 30, अना.महिला 33, 40, 46, अनारक्षित 28, 29, 34, 38, 39, 41, 42, 45

शुक्रवारी हाट बाजार कुल दुकान संख्या 38 (नीलामी दिनांक 18.02.2026 समय दोप. 12:00 बजे)

दुकान क्र.	साईज (वर्ग मीटर)	ब्लॉक	ऑफसेट प्राईज (लाख में)	अमानत राशि	आरक्षण की स्थिति
01 से 19	3.00x3.50	भुतल	3.73	37300	अ.जा. 1, 10, 19, अ.ज.जा. 2, 18, अपिव. 3, 13, 17, विधवा 4, विकलांग 5, भु.पू.सै. 6, स्वं.संग्रा. 7, शि.बेरो. 8 अना. महिला 9, 16, तृ.लिंग 12 अनारक्षित 11, 14, 15,
20 से 38	3.00x3.50	प्रथम तल	3.10	31000	अ.जा. 20, 26, 29, 38, अ.ज.जा. 21, 30, 37, अपिव. 22, 32, 36, शि.बेरो. 27 अना.महिला 28, 35, अनारक्षित 23, 24, 25, 31, 33, 34

दुकान नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी के 01 दिवस पूर्व, आवेदन पत्र राशि 100.00 रू. मात्र कार्यालयीन समय में निर्धारित प्रारूप में आवेदन तथा नियम शर्तो की प्रति प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त तिथि को पर्याप्त बोलीदार नहीं आने पर **दिनांक 20.02.2026** को शेष दुकानों की पुनः नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गरियाबंद, जिला- गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

क्रमांक /1762/न.पा.प. /PMAY /2025-26 कांकेर, दिनांक 23.01.2026

-:: दावा आपत्ति::-

नगरपालिका परिषद कांकेर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के किफायती आवास निर्माण (AHP) घटक अन्तर्गत नगर के 21 वार्डो से कुल 83 आवेदन पत्र प्राप्त हुये जिसमें गठित निकाय स्तरीय जांच समिति अनुसार पात्र 41 को प्रथम चरण में लेते हुये पात्र हितग्राही की सूची जारी की गई है, जिस किसी व्यक्ति संस्था अथवा समूह को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा हो तो दिनांक 06.02.2026 तक कार्यालयीन अवधि में 3.00 बजे तक अवकाश दिनों को छोड़ कर लिखित आवेदन के साथ दावा-आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है। उसके पश्चात किसी भी प्रकार का दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा।

किफायती आवास निर्माण (AHP) मोर मकान मोर आस / मोर मकान मोर चिन्हारी के अन्तर्गत किराए निति के तहत पात्र की सूची को नगरपालिका कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा किया गया है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद कांकेर

बार्बी डॉल से लेकर जीआईजो सहित कई ऐसे खिलौने जो करोड़ों में बिके

नई दिल्ली। आप सोचते होंगे कि खिलौने केवल बच्चों के लिए बनते हैं। हालांकि, कुछ वयस्कों को उनमें इतनी दिलचस्पी होती है कि वे उन्हें संग्रहित करना पसंद करते हैं। इसके चलते वे लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आज के लेख में हम आपको नीलामी में बिकने वाले अब तक के 5 सबसे महंगे खिलौनों के बारे में बताएंगे। इन्हें बच्चों के बजाय वयस्कों के खरीदा है और ये सभी ऐतिहासिक हैं।

स्टेफानो कैंटुरी बार्बी

सन 2009 में बार्बी की 50वीं वर्षगांठ के लिए ऑस्ट्रेलिया में मैटल ने जेवर डिजाइनर स्टेफानो कैंटुरी के साथ हाथ मिलाया था। उन्होंने एक ऐतिहासिक बार्बी बनाई, जो दुनिया की सबसे महंगी है। स्टेफानो ने 4 हफ्तों तक बार्बी का शरीर, हेयर-स्टाइल, मेकअप, ड्रेस, जूते और सुंदर आभूषणों डिजाइन किए थे। इस बार्बी ने सफेद और दुर्लभ गुलाबी हीरे से बना चोकर पहना है। इसे 2010 में क्रिस्टीज द्वारा नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 2.59 करोड़ रुपये लगी थी।

मिक्की माउस मोटरसाइकिल

टिप एंड कंपनी की मिकी माउस मोटरसाइकिल 1930 के दशक का एक दुर्लभ जर्मन टिन खिलौना है। इसमें एक मोटरसाइकिल है, जिस पर विंटेज मिक्की और मिनी माउस बैठे हुए हैं। आज के समय में इसके केवल 18 फिगर ही उपलब्ध हैं, जिससे पता चलता है कि यह कितना दुर्लभ है। एक फिगर को 2000 में बर्टोइया नीलामी नामक नीलामीघर ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत पर बेचा था।

स्टार वार्स का रॉकेट फायरिंग बोबा फेट

स्टार वार्स से जुड़ी सभी चीजें करोड़ों में बिकती हैं तो इसके खिलौने कैसे पीछे रह सकते हैं। इस सूची में पहला स्थान रॉकेट फायरिंग बोबा फेट एक्शन फिगर का है। इसे 2024 में नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। यह 1979 में बनाया गया एक्शन फिगर है, जो नए जैसी हालत में है। यही कारण था कि इसे इतनी कीमत पर खरीदा गया और यह दुनिया का सबसे महंगा खिलौना बन गया।

विरासत

आज भी दिखता है पुराना ठाठ-बाट

दिलचस्प है मैसूर महल की कहानी, सोने से हुआ है काम

मैसूर। मैसूर शहर कर्नाटक की विरासत को सहेजे हुए है जो खूबसूरत महलों, रियासत कालीन स्थलों, रंगीन त्योहारों, मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरे देश में मशहूर है। मैसूर महल का निर्माण सर्वप्रथम 14वीं शताब्दी के दौरान किया गया था। यहां का पहला निर्माण चंदन की लकड़ी से हुआ था। एक दुर्घटना के कारन यह लकड़ी का पैलेस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके बाद 1897 के दौरान कृष्णराजा वाडियार चतुर्थ और उनकी मां ने यहां महल के रूप में दूसरा निर्माण कराने का जिम्मा वास्तुकार लॉर्ड हेनरी इरविन को सौंपा।

खास बातें

- 1912 ईस्वी के दौरान बनकर हुआ तैयार
- 15 साल का समय लगा इसे बनाने में
- 42 लाख रुपए की लागत आई थी उस समय

मैसूर महल निर्माण की पूरी कहानी

यहां पर दूसरा मैसूर महल 1912 ईस्वी के दौरान बनकर तैयार हुआ। इसे बनने में करीब 15 साल का समय लगा। उस समय के दौरान इस पैलेस को तैयार करने में तकरीबन 42 लाख रुपए की लागत आई थी। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है।

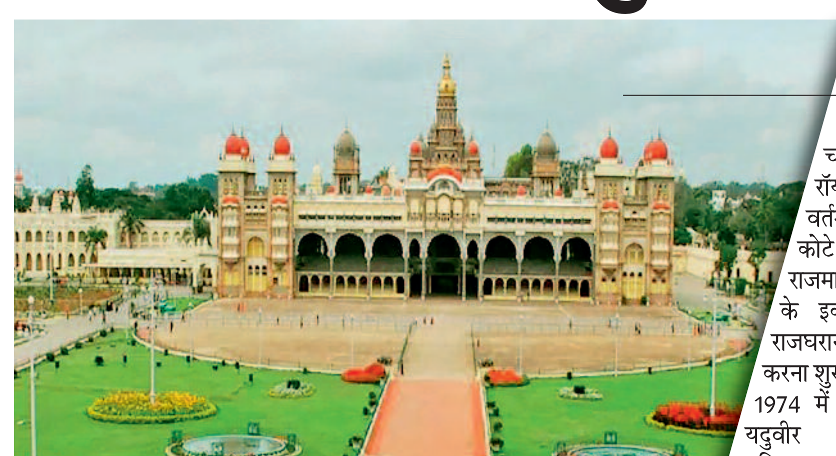

बेहद खास और अद्भुत है मैसूर महल

मैसूर महल बेहद खास और अद्भुत है। इस पैलेस के ऊपरी भाग में स्थित गुंबद को गुलाबी रंग के स्लेटी पत्थर से बनाया गया है। महल के अंदर बने एक बड़े दुर्ग का गुंबद सोने की पॉलिश से तैयार किया गया है। मैसूर पैलेस दविड़, पूर्वी और रोमन कला का अद्भुत संगम है। मैसूर महल में राजाओं के रहने के लिए अलग कक्ष एवं आम लोगों के लिए अलग कक्ष बने हुए हैं।

महल में लगे हैं 97 हजार से ज्यादा बल्ब इस महल में कई पौराणिक गुड़ियों का संग्रह भी देखने को मिलता है। मैसूर पैलेस में वर्तमान समय में तकरीबन 97000 से ज्यादा बल्ब लगे हुए हैं, जिनकी चमचमाती रोशनी रात के समय में महल की खूबसूरती को निखार देती है।

मैसूर का पुराना नाम क्या है ?

कर्नाटक के ऐतिहासिक शहर मैसूर का उल्लेख महाभारत में 'माहिष्मती' के रूप में किया गया है। वहीं, मौर्य काल में इसे 'पुरीगेरे' के नाम से जाना जाता था, जो बाद में 'महिषापुर' और फिर मैसूर में बदल गया।

यदुवीर कृष्णदत्त हैं वर्तमान संरक्षक

यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार मैसूर के रॉयल हाउस के 27वें और वर्तमान संरक्षक हैं। वे बेट्टादा कोटे उर्सु परिवार के एचएच राजमाथा डॉ. प्रमोदा देवी वाडियार के इकलौते बेटे हैं। वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। पिछली बार यहां 1974 में राजतिलक हुआ था। तब यदुवीर के चाचा श्रीकांतदत्ता नरसिम्हाराजा वाडियार को गद्दी पर बैठाया गया था। जिनकी साल 2013 में मौत हो गई थी। दो साल गद्दी खाली रहने के बाद यदुवीर को राजा बनाया गया। श्रीकांतादत्ता नरसिम्हा राजा वाडियार और रानी गायत्री देवी को संतान नहीं थी।

मैसूर महल खुलने और बंद होने का समय

मैसूर महल में पर्यटकों के लिए घूमने का समय निश्चित किया गया है। यह महल पर्यटकों के लिए सुबह 10:00 बजे खुलता एवं शाम 5:30 बजे बंद हो जाता है। इस समय में यहां आने वाले आगंतुक यहां की विरासत को जान सकते हैं।

लंदनः दुर्लभ अंडे की हुई नीलामी, 273 करोड़ से ज्यादा में बिका

सेंट पीट्सबर्ग। आमतौर पर एक अंडा 6 से 10 रुपये का मिलता है, लेकिन बीती 2 दिसंबर को एक अंडा करोड़ों रुपये में बिका है। दरअसल, रूस के शाही परिवार का हीरा जड़ित क्रिस्टल फैबरगे अंडा लंदन की एक नीलामी में रिकॉर्ड 2.29 करोड़ पाउंड यानी करीब 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका। यह एक दुर्लभ अंडा है, जिसे जौहरी की सबसे खूबसूरत कृतियों में से एक माना जाता है।

4,500 हीरों से सजा हुआ है यह अंडा इस दुर्लभ अंडे की नीलामी लंदन स्थित क्रिस्टीज नीलामीघर द्वारा की गई है। हालांकि, अभी खरीदार का नाम सामने नहीं आया है। 4,500 हीरों से सजे इस अंडे को रूस के अंतिम शासक सम्राट जार निकोलस द्वितीय ने साल 1913 में अपनी मां मारिया फियोदोरोव्ना को उपहार के रूप में बनवाया था। 8.2 सेमी (3.2 इंच) ऊंचा यह अंडा कार्ल फैबर्जे द्वारा बनाया गया था। इस अंडे का डिजाइन सेंट पीटर्सबर्ग की आभूषण कंपनी की केवल दो महिला कारीगरों में से एक अल्मा थेरेसिया पिहल द्वारा तैयार किया गया था। इस अंडे को कीमती क्रिस्टल और गुलाब के आकार के हीरों के साथ-साथ प्लैटिनम से सजाया गया था, वहीं अंडा खोलने पर इसके अंदर सफेद क्वार्ट्ज फूलों की एक छोटी टोकरी दिखाई देती है।

होनहार बिल्लियां, अपनी प्रतिभा से बनाए हैं कई बड़े विश्व रिकॉर्ड

आज हम ऐसी ही कुछ समझदार बिल्लियों के बारे में जानेंगे, जिन्होनें कई बड़े विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। ये सभी रिकॉर्ड इतने कमाल के हैं कि इनके बारे में जानकर आप जरूर हैरत में पड़ जाएंगे।

बिल्लियों को अगर प्रशिक्षित किया जाए तो वे हाथ मिलाने और बैठने जैसे करतब कर लेती हैं। एक मिनट जितने कम समय में एक या 2 से ज्यादा करतब कर पाना नामुमकिन लगता है। हालांकि, अलेक्सिस नाम की बिल्ली महज एक मिनट में 26 करतब कर दिखाती है। इनमें हाथ मिलाना, हाई-फाइव देना, सिर हिलाना और गोल-गोल घूमना आदि शामिल हैं। इस बिल्ली को 'एक मिनट में सबसे ज्यादा करतब करने वाली बिल्ली' का खिताब दिया गया है।

मेन कून नस्ल की बिल्ली की पूंछ आमतौर पर 12 से 18 इंच लंबी होती है। हालांकि, इसी नस्ल की पगस्लि एडम्स नाम की एक बिल्ली की पूंछ 18.5 इंच लंबी है। इसके चलते उसे 'दुनिया की सबसे लंबी पूंछ वाली जीवित बिल्ली' का खिताब मिला है।

बिल्लियां अपने स्प्रिंग जैसे पिछले पैरों और लचीली रीढ़ की हड्डी की वजह से लंबी छलांग लगाने में सक्षम होती हैं। एक औसत बिल्ली 5-8 फीट तक कूद सकती है। हालांकि, टेक्सास के ऑस्कर के लिए यह पैदल चलने जितना आसान है। वह 8 फीट 5 इंच लंबी छलांग मारकर 'सबसे लंबी छलांग लगाने वाली बिल्ली' बन गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com